लखनऊ

शनिवार, 23 मार्च, 2024

वर्ष : 9 । अंक: 248

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

ब्रह्माण्ड की सारी शक्तियां पहले से हमारी हैं। वो हम ही हैं जो अपनी आंखों पर हांथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है। - स्वामी विवेकानंद

TODAY WEATHER

DAY 22° Hi | NIGHT 10° Low

संक्षेप

'अमेरिका आते हुए बहुत सावधान रहें...', छात्रों को पेप्सिको की पूर्व सीईओ नूई की ये बात जरूर सुननी चाहिए

वाशिंगटन। पेप्सिको की पूर्व सीईओ इंदिरा नूई ने अमेरिका में रह रहे या अमेरिका जाने की तैयारी कर रहे भारतीय छात्रों को सलाह दी है कि वह अमेरिका में बहुत ध्यान से रहें और स्थानीय कानूनों का पालन करें। साथ ही नूई ने अपील की कि भारतीय युवा अमेरिका आकर ड्रग्स या किसी भी नशे से दूर रहें। हाल के समय में अमेरिका में भारतीय छात्रों के साथ अनहोनी की कई घटनाएं हुई हैं। यही वजह है कि इंदिरा नूई ने भारतीय छात्रों को अलर्ट रहने की सलाह दी है। इंदिरा नूई को वैश्विक स्तर पर कॉरपोरेट जगत की ताकतवर और प्रभावशाली शख्सियत के तौर पर जाना जाता है। नूई ने एक 10 मिनट के वीडियो संदेश जारी किया है, जिसे न्यूयॉर्क में भारत के कॉन्सुलेट जनरल ने सोशल मीडिया पर साझा किया है। वीडियो संदेश में नूई ने कहा कि 'इस वीडियो को रिकॉर्ड करने का मकसद ये है कि मैं आप सभी युवाओं से, जो अमेरिका आना चाहते हैं या पहले से ही यहां रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, उनसे बात करना चाहती थी। आजकल भारतीय छात्रों के साथ अनहोनी होने की कई घटनाएं सामने आई हैं। लेकिन ये आपके हाथ में है कि आप खुद को सुरक्षित रख सकते हैं।' नूई ने कहा कि 'कानून का पालन करें और रात में अकेले सुनसान जगहों पर न जाएं। ड्रग्स या किसी भी तरह के नशे के सेवन से बचें क्योंकि यही सब चीजें आपदा लेकर आती हैं।' पेप्सिको की पूर्व सीईओ ने भारतीय छात्रों को सलाह दी कि वह अमेरिका में अपनी यूनिवर्सिटी और कोर्स को बहुत सावधानी से चुनें।

पीएम मोदी के स्वागत में सड़कों पर उमड़े भूटान के लोग, बोले- हम खुशनसीब, भारत हमारा दोस्त

थिंफू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर भूटान में हैं। प्रधानमंत्री आज सुबह ही नई दिल्ली से भूटान की राजधानी थिंफू के लिए रवाना हुए और कुछ घंटे बाद भूटान पहुंच गए। पीएम मोदी के भूटान दौरे को लेकर भूटान के लोग बेहद खुश हैं और उनकी खुशी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जगह-जगह थिंफू की सड़कों के किनारे लोग पीएम मोदी के स्वागत के लिए खड़े दिखाई दिए। प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में बड़ी संख्या में बच्चे भी सड़क किनारे खड़े दिखाई दिए। बच्चों ने अपने हाथों में भारत और भूटान के झंडे पकड़े हुए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने भी बच्चों को निराश नहीं किया और लोगों से मिलते हुए बच्चों को उन्होंने दुलार किया। कई स्कूलों के बच्चे भी पीएम मोदी के स्वागत में अपने हाथों में तिरंगा झंडा पकड़े दिखाई दिए। एक स्कूली छात्र ने कहा कि 'भूटान खुशनसीब है कि हमें भारत जैसा दोस्त मिला है।' भूटान को जब भी मदद की जरूरत हुई है, भारत ने हमेशा साथ दिया है। छात्र ने भारत द्वारा जरूरत के समय की गई आर्थिक मदद और कोरोना के समय वैक्सीन उपलब्ध कराने की भी तारीफ की। थिंफू की रहने वाली एक महिला ने इस बात की उम्मीद जताई कि पीएम मोदी के भूटान दौरे से दोनों देशों के संबंध और मजबूत होंगे। पीएम मोदी का थिंफू के पारो एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर पीएम मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

पीएम मोदी के नाम एक और उपलब्धि, भूटान ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा

थिम्पू (भूटान)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भूटान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्राप्त करने वाले पहले विदेशी शासनाध्यक्ष बन गए हैं। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने पीएम मोदी को 'ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो' से सम्मानित किया।

पीएम मोदी दो दिन के भूटान दौरे पर हैं। शुक्रवार को वो राजधानी थींपू के ताशिचो द्जोंग पैलेस पहुंचे। यहां उनका औपचारिक रूप से स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने भूटान के राजा जिग्मे वांगचुक से मुलाकात की। इसके पहले प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे ने पारो एयरपोर्ट पर उनका गले मिलकर स्वागत किया। टोबगे ने मोदी से कहा, 'स्वागत है मेरे बड़े भाई।'

भूटान के राजा द्वारा 'सर्वोच्च नागरिक सम्मान' से सम्मानित करने के बाद पीएम मोदी ने कहा, 'आज एक भारतीय के नाते मेरे जीवन का बहुत बड़ा दिन है, आपने मुझे भूटान के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया है। हर पुरस्कार अपने आप में विशेष होता ही है लेकिन जब किसी अन्य देश से पुरस्कार मिलता है तो यह महसूस होता है कि हम दोनों देश सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।'

पीएम मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, '140 करोड़ भारतवासी जानते हैं कि भूटान के लोग उनके अपने परिवार के सदस्य हैं। भूटान के लोग भी यह जानते हैं और मानते हैं कि भारत उनका परिवार है। हमारे संबंध, मित्रता, आपसी सहयोग और विश्वास अटूट है। इसलिए मेरे लिए आज का यह दिन बहुत विशेष है।'

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, ₹भारत और भूटान एक साझी विरासत का हिस्सा है। भारत भगवान बुद्ध की भूमि है, उनकी तपोस्थली है। भारत वह भूमि है जहां बुद्ध को बोध प्राप्त हुआ था। भूटान ने भगवान बुद्ध की उन शिक्षाओं को आत्मसात किया, उन्हें संरक्षित किया...'।

भारत और भूटान ने किए कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर, दोनों देशों के बीच रेल संपर्क बढ़ाने पर सहमति

कई क्षेत्रों में एमओयू हस्ताक्षर किए गए- विदेश मंत्रालय

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पीएम मोदी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए प्रधानमंत्री टोबगे को धन्यवाद दिया। बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि, पर्यावरण और वानिकी तथा पर्यटन जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने पर सहमति बनाई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और भूटान के बीच दीर्घकालिक और अनूठे संबंध हैं।

थिम्पू (भूटान)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भूटान की दो दिवसीय यात्रा पर है। पहले दिन शुक्रवार को पीएम मोदी और उनके भूटानी समकक्ष शेरिंग टोबगे की मौजूदगी पर समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। इस दौरान ऊर्जा, व्यापार, डिजिटल संपर्क, अंतरिक्ष और कृषि के क्षेत्र में कई एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। साथ ही दोनों देशों के बीच रेल संपर्क संबंधी समझौते को भी अंतिम रूप दिया गया है।

'भारत-भूटान के बीच रेल संपर्क को लेकर सहमति'

इसके अलावा, दोनों पक्ष भारत और भूटान के बीच रेल संपर्क को लेकर सहमति जता चुके हैं और इस संबंध में एमओयू पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। बयान में कहा गया है कि समझौता ज्ञापन में भारत और भूटान के बीच दो प्रस्तावित रेल संपर्क का प्रावधान किया गया है, जिसमें कोकराझार-गेलेफू रेल संपर्क और बनारहाट-समत्से रेल संपर्क और उनके कार्यान्वयन के तौर-तरीके शामिल हैं। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण उपायों के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन का उद्देश्य ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा विकसित 'स्टार लेबलिंग' कार्यक्रम को बढ़ावा देकर घरेलू क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने में भूटान की सहायता करना है।

गौरतलब है कि भूटान के दो दिवसीय दौरे के पहले दिन पीएम मोदी को भूटान के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया। पीएम मोदी ने कहा कि यह सम्मान मेरी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। मैं इस महान भूमि में सभी भारतीयों की ओर से इस सम्मान को स्वीकार करता हूं। भूटान और दिए गए सम्मान का दिल से धन्यवाद करता हूं।

ओबीसी भारतीय महागठबंधन ने किया इंडी गठबंधन को समर्थन देने का ऐलान

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के घोषणापत्र में जातिगत जनगणना कराने का वादा शामिल करते हुए आबादी के हिसाब से भागीदारी देने की राहुल गांधी की घोषणा के मद्देनजर 30 से अधिक पार्टियों-संगठनों के ओबीसी भारतीय महागठबंधन ने 2024 के चुनाव में कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए का समर्थन करने का एलान किया है।

इन पार्टियों के प्रमुख नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात के बाद विपक्ष को समर्थन देने की घोषणा की। कांग्रेस अध्यक्ष के सरकारी आवास 10 राजाजी मार्ग पर करीब डेढ घंटे तक ओबीसी भारतीय महागठबंधन में पार्टियों के नेताओं से हुई चर्चा के बाद मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के साथ पत्रकारों से रूबरू होते हुए इस महागठबंधन के अध्यक्ष राजकुमार सैनी ने कांग्रेस के साथ आईएनडीआईए में शामिल पार्टियों को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की। सैनी ने कहा कि हम सभी राजनीतिक दल एक ही बात कह रहे थे कि हमें हमारी हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। राहुल ने जातिगत जनगणना और आर्थिक सर्वे के आधार पर लोगों को न्याय दिलाने की आवाज बुलंद की है और भारतीय महागठबंधन इसलिए आईएनडीआईए गठबंधन को समर्थन दे रहा है। हम साथ मिलकर इस देश में सभी को बराबरी का हक देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। राहुल गांधी ने इस मौके पर कहा कि यात्रा में हमने सामाजिक न्याय की बात की थी और उसका अगला क्रांतिकारी कदम जातिगत जनगणना और आर्थिक सर्वे है। ताकि यह पता चल सके कि देश की पूरी व्यवस्था में सचमुच इन वर्गों की कितनी भागीदारी है।

राहुल गांधी की प्रतिक्रिया

राजकुमार सैनी का समर्थन मिलने के बाद राहुल गांधी ने सभी समर्थन देने वाले दलों को धन्यवाद दिया। इसके साथ ही कहा कि देश में भागीदारी एक बड़ा मुद्दा है। हमने सामाजिक न्याय की बात की है, जातिगत जनगणना, आर्थिक सर्वे की बात की है। देश की 90% आबादी की सिस्टम संस्थानों में कितनी भागीदारी है इस बात का पता होना चाहिए। हमने मेनिफेस्टो में इन सभी बातों का जिक्र किया है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया भारत जोड़ो न्याय यात्रा का असर

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि इन सभी दलों ने राहुल गांधी और उनकी यात्रा से प्रेरित होकर हमें बिना शर्त समर्थन देने का फैसला किया है, सभी का स्वागत है।

ओबीसी महागठबंधन का विपक्ष को समर्थन देने के लिए आभार जताते हुए राहुल ने कहा कि इस बात से प्रसन्न हैं कि हम सब एकसाथ ये लड़ाई लड़ने जा रहे हैं। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा और मणिपुर से महाराष्ट्र तक भारत जोड़ो न्याय यात्रा में राहुल गांधी की बातों को सुनने के बाद ओबीसी से जुड़े इन संगठनों को लग गया है कि हिंदुस्तान में वही एक व्यक्ति है, जिसने हमारी समस्याओं के समाधान का बीड़ा लिया है। इसलिए सबने एकजुट होकर कांग्रेस-विपक्ष को बिना शर्त समर्थन का भरोसा दिया है। खरगे ने कहा कि इन संगठनों का यह समर्थन केवल कांग्रेस के लिए ही नहीं बल्कि लोकतंत्र बचाने के लिए अहम है।

28 मार्च तक ईडी की हिरासत में भेजे गए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, कोर्ट ने सुनाया फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 6 दिन की ED रिमांड पर भेजा गया है। गुरुवार को दिल्ली शराब घोटाला मामले में केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था।केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में 28 मार्च तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया।इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू अदालत में पेश किया था। प्रवर्तन निदेशालय ने निचली अदालत में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की 10 दिन की रिमांड की मांग की थी। अरविंद केजरीवाल की तरफ से कोर्ट में वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी पेश हुए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद राउथ एवेन्यू कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

ईडी ने उनकी हिरासत का अनुरोध करते हुए अदालत से कहा कि अरविंद केजरीवाल आम आदमी पार्टी के अन्य मंत्रियों और नेताओं के साथ शराब घोटाले में मुख्य साजिशकर्ता थे। अरविंद केजरीवाल ने 'साउथ ग्रुप' और शराब घोटाले के आरोपियों के बीच बिचौलिए की भूमिका निभाई। ईडी ने कोर्ट को बताया कि अरविंद केजरीवाल को दिल्ली आबकारी नीति तैयार करने, लागू करने के लिए 'साउथ ग्रुप' से रिश्वत के रूप में कई करोड़ रुपये मिले। अरविंद केजरीवाल ने पंजाब चुनाव के लिए 'साउथ ग्रुप' से कुछ आरोपियों से 100 करोड़ रुपये की मांग की थी। आम आदमी पार्टी एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक 'कंपनी' है, इसलिए 'कंपनी' के संचालन के लिए जिम्मेदार प्रत्येक व्यक्ति को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

मुख्यमंत्री केजरीवाल के वकील ने आबकारी नीति मामले में अदालत से कहा कि पैसे के लेन-देन की कड़ियां जोड़ने के वास्ते आगे की जांच किए जाने को गिरफ्तारी के लिए आधार नहीं बनाया जा सकता। वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत से कहा कि भारत के इतिहास में यह पहली बार है कि एक मौजूदा मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी की शक्ति, गिरफ्तारी की आवश्यकता के समतुल्य नहीं है, इस व्यक्ति (अरविंद केजरीवाल) को गिरफ्तार करने की कोई आवश्यकता नहीं है। सिंघवी ने अदालत ने कहा कि आम आदमी पार्टी के चार और वरिष्ठ नेताओं को गिरफ्तार किया गया है, (चुनाव के लिए) गैर बराबरी का माहौल पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है।

ईडी को लिखित में बताना ही होगा आरोपियों की गिरफ्तारी का आधार, केंद्र सरकार की याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को बिना किसी अपवाद के आरोपी की गिरफ्तारी का आधार लिखित रूप में बताना ही होगा। अदालत ने अपने फैसले पर पुनर्विचार करने से इन्कार कर दिया। केंद्र सरकार की याचिका खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसके फैसले में कोई त्रुटि नहीं है, जिस पर पुनर्विचार की जरूरत हो। जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने अपने 'चैंबर' में ही समीक्षा याचिका पर विचार किया।

पीठ ने 20 मार्च को सुनाए गए अपने आदेश में कहा, हमने पुनर्विचार याचिकाओं और संबंधित दस्तावेजों पर गंभीरता से विचार किया। हमें आदेश में ऐसी कोई त्रुटि नहीं मिली, जिसे अस्पष्ट माना जा सके। अदालत के आदेश पर पुनर्विचार की जरूरत नहीं है, इसलिए पुनर्विचार याचिकाएं खारिज की जाती हैं। पीठ ने पुनर्विचार याचिका की सुनवाई खुली अदालत में किए जाने का अनुरोध भी अस्वीकार कर दिया। केंद्र की अपील को ठुकराते हुए कोर्ट ने साफ किया कि ईडी के अधिकारियों को पूरी ईमानदारी के साथ ड्यूटी निभानी चाहिए।

कई क्षेत्रों में एमओयू हस्ताक्षर किए गए- विदेश मंत्रालय

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पीएम मोदी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए प्रधानमंत्री टोबगे को धन्यवाद दिया। बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि, पर्यावरण और वानिकी तथा पर्यटन जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने पर सहमति बनाई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और भूटान के बीच दीर्घकालिक और अनूठे संबंध हैं।

शीर्ष अदालत ने कहा था, बिना चूके गिरफ्तारी का लिखित आधार देना होगा

शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि वर्ष 2002 के (पीएमएलए) अधिनियम की धारा 50 के तहत जारी समन के जवाब में गवाह का असहयोग उसे धारा 19 के तहत गिरफ्तार करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। गिरफ्तार व्यक्ति की गिरफ्तारी के आधार के बारे में सूचित करने के संबंध को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधान का उल्लेख करते हुए अदालत ने कहा था कि हमारा मानना है कि अब से यह आवश्यक होगा कि गिरफ्तार व्यक्ति को स्वाभाविक रूप से और बिना चूके गिरफ्तारी के लिखित आधार की एक प्रति दी जाए।

अखिलेश से सीतापुर जेल में बोले आजम खां, रामपुर से लड़िए लोकसभा चुनाव, बताई ये रणनीतिक वजह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव शुक्रवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां से सीतापुर की जेल में मिले। करीब डेढ़ घंटे की मुलाकात में रामपुर, मुरादाबाद और बिजनौर समेत पश्चिमी यूपी की कई लोकसभा सीटों पर चर्चा हुई। बताते हैं कि आजम खां ने अखिलेश को रामपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की पेशकश की, ताकि पश्चिमी यूपी में रणनीतिक संदेश जाए।

सूत्रों के अनुसार, जेल में आजम खां और उनके परिवार का हालचाल लेने के साथ ही अखिलेश ने उनके साथ गंभीर राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की। वर्ष 2019 में रामपुर लोकसभा सीट से आजम खां सपा के टिकट पर जीते थे, पर उन्हें कोर्ट से सजा होने के

बाद हुए उपचुनाव में यह सीट भाजपा ने छीन ली। सपा का आरोप है कि सत्ता के जोर पर उनके मतदाताओं को वोट नहीं डालने दिया गया। मुलाकात के दौरान बताते हैं कि आजम खां की ओर से यह प्रस्ताव आया कि अगर अखिलेश रामपुर से मैदान में उतरते हैं तो सपा समर्थक मतदाताओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा। इससे जीत सुनिश्चित हो सकेगी।

मुरादाबाद से चुनाव लड़ने के लिए सपा के विधायक कमाल अख्तर व नासिर कुरैशी और मौजूदा सांसद एसटी हसन की खामियों और खूबियों पर भी मंथन हुआ। सपा ने बिजनौर से पूर्व सांसद यशवीर सिंह को प्रत्याशी बनाया है, लेकिन उनका टिकट बदलना करीब-करीब तय माना जा रहा है। यहां से पूर्व मंत्री शाहिद मंजूर, विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष रहे संजय लाठर, आंवला से बसपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ चुकीं रुचिवीरा और सपा विधायक रामौतार सैनी के नाम पर चर्चा हुई।

बागपत का भी बदल सकता है टिकट

सूत्रों की मानें तो सपा का मेरठ और बागपत का टिकट बदलना भी तय माना जा रहा है। मेरठ से भानु प्रताप सिंह और बागपत से मनोज चौधरी को टिकट दिया गया है। मेरठ सीट पर विधायक रफीक अंसारी, अतुल प्रधान और योगेश वर्मा का नाम आगे है। जबकि, बागपत से मांगेराम कश्यप, अमर शर्मा व विकास मलिक का नाम आगे बताया जा रहा है।

रामपुर इस बार भाजपा की नाइंसाफी के खिलाफ संदेश देगा -अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आजम खां से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि रामपुर इस बार वोट नहीं, भाजपा की नाइंसाफी के खिलाफ संदेश देगा। देश की जनता भाजपा के अहंकार को हराएगी। भाजपा जो अन्याय कर रही है, उसका नतीजा उसे भुगतना पड़ेगा। इलेक्टोरल बॉन्ड ने भाजपा को सबक सिखा दिया है।

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष बोले, हार की हताशा से तानाशाही पर उतरी मोदी सरकार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि भाजपा सरकार हार की हताशा में विपक्षी दलों से प्रतिशोध ले रही है। इंडिया गठबंधन की बुनियाद बनते ही भाजपा को इस बात का आभास हो गया था कि देश के संसाधनों की लूट और प्रजातंत्र को बचाने के लिए प्रतिपक्षी दलों का एक राष्ट्रव्यापी गठबंधन बना गया है।

शुक्रवार को जारी बयान में अजय राय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा हर संभव कोशिश कर रहे हैं कि इस गठबंधन के लोगों को प्रताड़ित करके इंडिया गठबंधन में जाने से रोका जाए। ईडी, सीबीआई, आईटी के माध्यम से इन दलों के नेताओं का मनोबल तोड़ा

जाये। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी इस बात का प्रमाण है कि जो इंडिया गठबंधन में शामिल होगा उसे जेल भेज दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के पहले झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के साथ भी यही दुर्व्यवहार किया गया था। उन्होंने भी झुकने से इन्कार किया तो जेल भेज दिया गया।

शहरी समन्वय समिति की बैठक में सिटी हेल्थ एक्शन प्लान की समीक्षा

टीसीआई-इंडिया/पीएसआई-इंडिया के सहयोग से बैठक आयोजित

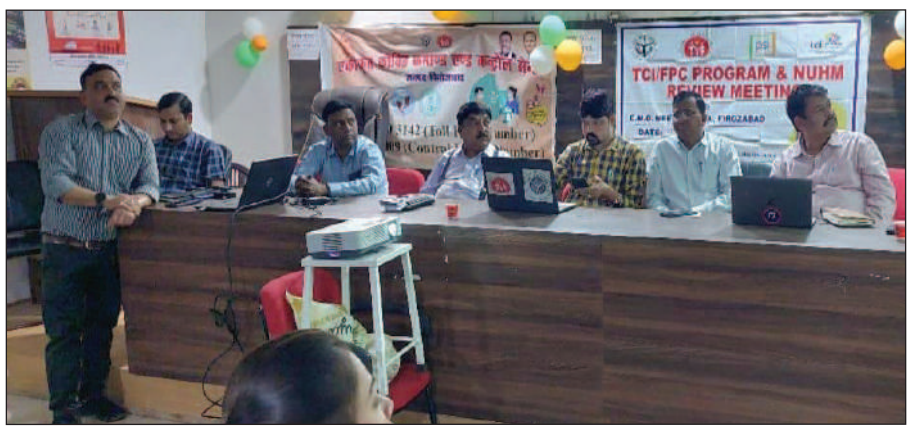

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

फिरोजाबाद। शहरी समन्वय समिति की त्रैमासिक बैठक वृहस्पतिवार की देर शाम प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मोहम्मद फारूक़ की अध्यक्षता में हुई, जिसमें सिटी हेल्थ एक्शन प्लान की समीक्षा की गयी। द चैलेंज इनिशिएटिव-इंडिया (टीसीआई-इंडिया) व पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल-इंडिया (पीएसआई-इंडिया) के सहयोग से आयोजित इस बैठक में स्वास्थ्य विभाग के साथ ही औषधि विभाग व नगर निगम, शिक्षा, आईसीडीएस, डूडा, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम), जलकल विभाग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कार्य कर रहीं सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे, जिन्होंने जनकल्याण की योजनाओं को और भी प्रभावी बनाने पर अपने विचार व्यक्त किये।

समीक्षा बैठक में जनपद के शहरी क्षेत्र में राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित समस्त नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपलब्ध सेवाओं जैसे- ओपीडी, आईपीडी, प्रयोगशाला जांच, प्रसव पूर्व जांच एवं प्रसव सेवाएं, परिवार नियोजन के अस्थाई साधन एवं परामर्श, किशोर-किशोरियों के स्वास्थ्य की देखभाल एवं गैर संचारी रोग (एनसीडी) कार्यक्रम की समीक्षा की गयी। समीक्षा में वर्ष 2019 से 2024 की अवधि में नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों द्वारा मुहैया करायी जा रहीं सेवाओं की प्रगति पर भी चर्चा हुई। समीक्षा बैठक में प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा यह निर्देशित किया गया कि सिटी हेल्थ प्लान को वार्षिक रूप से अपडेट (अद्यतन) किया जायेगा और हर शहरी समन्वय समिति की बैठक में इसकी समीक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में निर्णय लिया गया कि सिटी हेल्थ एक्शन प्लान को पीएसआई-इंडिया के सहयोग से अपडेट किया जाएगा। सिटी हेल्थ एक्शन प्लान की त्रैमासिक समीक्षा सुनिश्चित की जाए। सिटी हेल्थ एक्शन प्लान में गैर संचारी रोग (एनसीडी) एवं राष्ट्रीय अभियान के तहत दी जाने वाली सुविधाओं की प्रगति को भी शामिल किया जाए। सिटी हेल्थ एक्शन प्लान को अपडेट करने की प्रक्रिया में सभी विभागों का संयुक्त भ्रमण एवं संयुक्त सूक्ष्म कार्य योजना को शामिल किया जाए। आयुषमान भारत योजना से सम्बन्धित आंकड़ों एवं समन्वय अन्य विभागों के साथ किया जाए। बैठक में मण्डल स्तर से डिवीजनल अरबन हेल्थ कन्सल्टेन्ट एनयूएचएम मो. इरशाद, समस्त अपर व उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी और पीएसआई-इंडिया के प्रतितिधि मौजूद रहे। डिस्ट्रिक्ट अरबन हेल्थ को आर्डिनेटर प्रबल प्रताप सिंह द्वारा समस्त विभागों से अपेक्षित सहयोग के लिए पीपीटी के माध्यम से अब तक हुई प्रगति के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गयी। अन्त में नोडल अधिकारी एनयूएचएम द्वारा समस्त आगन्तुकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

लखनऊ से पहुंचे लोकसभा प्रभारी के हस्तक्षेप के बाद खोला गया सपा का दफ्तर

हरदोई। जिले में लोकसभा चुनाव के दौरान जहां समाजवादी पार्टी को एक होकर चुनाव लड़ने की तैयारी करनी थी वहीं हरदोई जिले में समाजवादी पार्टी में आपस में जंग छिड़ी नजर आ रही है। पार्टी में आपसी मनमुटाव के चलते समाजवादी पार्टी के जिला पदाधिकारी की शिकायत पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मौजूदा जिला अध्यक्ष को हटाकर नए जिला अध्यक्ष की बृहस्पतिवार को तैनाती कर दी थी लेकिन जब नए जिला अध्यक्ष कार्यालय पर पहुंचे तो पुराने जिला अध्यक्ष ने दफ्तर में ताला डाल रखा था। करीब 3 घंटे तक नए बनाए गए जिला अध्यक्ष और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता दफ्तर खोलने का इंतजार करते रहे उसके बाद पूरे वाकये की सूचना लखनऊ दी गई जिसके बाद लखनऊ से पहुंचे लोकसभा प्रभारी ने किसी तरह पुराने जिला अध्यक्ष से संपर्क करके दफ्तर की चाबियां मंगाई और उसके बाद समाजवादी पार्टी के दफ्तर को खोला गया।

एकात्म मानव-दर्शन के अग्रदूत थे आदि शंकराचार्य : प्रो . हरीश अरोड़ा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

इंदौर। 'एकात्म दर्शन भारतीय ज्ञान परंपरा का वह सूत्र है जो विश्व में भारत के विराट बोध को लक्षित करता है। इस परंपरा का उत्कर्ष हमें जगद्गुरु आदि शंकराचार्य के विचारों में मिलता है। उनके विचार एकात्म दर्शन और मानवीयता की महती पूंजी हैं। यदि कहा जाए कि आदि शंकराचार्य एकात्म मानव-दर्शन के अग्रदूत थे तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।' ये विचार इंदौर क्रिश्चियन कॉलेज में भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित आदि शंकराचार्य व्याख्यानमाला के अंतर्गत "जगद्गुरू श्री शंकराचार्य एवं भारत की एकात्मकता" विषय पर आयोजित व्याख्यानमाला के अंतर्गत वरिष्ठ साहित्यकार और दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हरीश अरोड़ा ने कहे। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी राष्ट्र की अस्मिता के प्रतिमानों में उसकी सांस्कृतिक-आध्यात्मिक विरासत का महत्त्वपूर्ण

योगदान है। उस विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य विशिष्ट होता है। आदि शंकराचार्य ने प्रस्थानत्रयी के भाष्य तैयार कर राष्ट्र को उसकी अस्मिता से परिचित कराया। प्रो. अरोड़ा ने कहा कि केवल 32 वर्ष की छोटी आयु में ही सनातन वैदिक धर्म के पुनुरुत्थान के लिए सम्पूर्ण भारत की यात्रा कर चार मठों और अनेक अखाड़ों की स्थापना कर लोक-मंगल की साधना का मार्ग प्रशस्त किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ शिक्षाविद डॉ. के आर शर्मा ने आधुनिक समय में आदि शंकराचार्य के विचारों के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी परंपरा को नानक, कबीर ने आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि वैदिक धर्म और दर्शन सभी सृष्टि में एक ही तत्त्व में सभी को निहित मानता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रेनेसां विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजेश

दीक्षित ने इस अवसर पर आधुनिक पीढ़ी को आदि शंकराचार्य के विचारों से सीख लेने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि हमें अपनी प्राचीन विरासत पर गर्व करना चाहिए। यदि हमने अपनी ज्ञान परंपरा की विरासत को संभाल कर नहीं रखा तो गौरवशाली भारत का इतिहास खो जाएगा।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. विनायक पांडेय ने वैदिक सूत्रों और जगद्गुरू शंकराचार्य के जीवन के विविध प्रसंगों के द्वारा भारत की एकात्मकता पर अपने विचार रखें। उन्होंने कहा कि जगद्गुरू शंकराचार्य के विचार विश्व गुरु भारत राष्ट्र के विचार हैं। ये विचार जन-जन में भारतीय संस्कृति के बिंदुओं को स्थापित करते हैं।

कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ. पंकज विरमाल ने तथा धन्यवाद डॉ. भण्डारी ने किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राध्यापकों के अतिरिक्त अनेक शैक्षिक संस्थानों के प्राध्यापक, शोधार्थी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सिक्योरिटी गार्ड की लापरवाही से बंदूक से चली गोली

हरदोई। लखनऊ पलिया हाईवे पर कछौना कस्बे में स्थित केनरा बैंक के सिक्योरिटी गार्ड की लापरवाही से बंदूक से चली गोली से गार्ड चुटहिल हो गया। इस घटना से खलबली मच गई। मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को अपराह्न कस्बे में स्थित केनरा बैंक के सिक्योरिटी गार्ड सुनील मिश्रा पुत्र अश्वनी मिश्रा निवासी तेरिया थाना सण्डीला की डीबीबीएल बंदूक से लापरवाही से गोली चल गई। गार्ड के बाएं पैर में गोली लग गई। इस अचानक घटना से अफरातफरी मच गई। शाखा प्रबंधक संतोष कुमार व बैंक कर्मी आनन फानन में घायल गार्ड को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां पर गार्ड की हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया, जहां पर इलाज चल रहा है। गार्ड की हालत खतरे से बाहर है। थोड़ी सी चूक से गार्ड की जान जा सकती थी।

बच्चों में जन्मजात दोषों की शीघ्र पहचान और इलाज जरूरी : डॉ एके चौधरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। नवजात शिशुओं में जन्म के तुरंत बाद जन्मजात दोषों की शीघ्र पहचान और इलाज अति आवश्यक है। न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट, डाउन सिंड्रोम, कटा हुआ होठ व तालू और मुड़े हुए पैर जैसे जन्मजात दोषों की पहचान जितनी जल्दी हो जाती है, निदान उतना ही आसान है । यह बातें अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी आरसीएच डॉ एके चौधरी ने कहीं। वह लेडी मेडिकल ऑफिसर (एलएमओ), स्टॉफ नर्स और एएनएम के प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रेरणा श्री सभागार में शुक्रवार को संबोधित कर रहे थे।

एसीएमओ आरसीएच डॉ चौधरी ने कहा कि जन्मजात दोषों की पहचान कर चिकित्सक और अभिभावक को तुरंत सूचित किया जाना चाहिए। ऐसे बच्चों की पहचान राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम द्वारा स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र भ्रमण के दौरान भी की जाती है, लेकिन सबसे बेहतर उपाय है कि यह बच्चे प्रसव कक्ष से ही पहचान लिये जाएं। जन्मजात मोतियाबिंद, बहरापन, ह्रदय रोग भी नवजात शिशुओं में पाए जा रहे हैं और इनका सफलतापूर्वक उपचार भी कराया जा रहा है। अभिभावकों को भी आगे आकर इन दोषों के निदान के लिए आशा कार्यकर्ता और आरबीएसके टीम की मदद लेनी चाहिए। इस मौके पर राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की डीईआईसी मैनेजर डॉ अर्चना ने कहा कि छह फीसदी नवजात शिशु किसी न किसी जन्मजात दोष से ग्रसित होकर पैदा होते हैं । प्रसव के तुरंत बाद इन दोषों की पहचान कर प्रबन्धन किया जाना चाहिए । उन्होंने कहा कि अत्यधिक प्रबल जन्मजात दोष की स्थिति में जन्म के 24 घंटे के भीतर कई बार बच्चे की मृत्यु भी हो जाती है। यदि प्रसव कक्ष में पहचान हो जाए तो इनकी मृत्यु को रोका जा सकता है। समय पर उपचार न मिलने से ऐसे नवजात दिव्यांग हो सकते हैं। ऐसे में प्रसव कक्ष पर तैनात स्टॉफ समय रहते बीमारी की पहचान कर चिकित्सा इकाई को संदर्भित कर दें।

फोलिक एसिड का सेवन महत्वपूर्ण

बांसगांव सीएचसी की चिकित्सक डॉ विजय लक्ष्मी घोष ने बताया कि जन्मजात दोषों से बचाव के लिए गर्भावस्था की प्रथम तिमाही में फोलिक एसिड का सेवन प्रत्येक गर्भवती द्वारा किया जाना चाहिए । यह दवा सभी सरकारी अस्पतालों और आशा कार्यकर्ता के माध्यम से समुदाय तक पहुंचाई जा रही है । बच्चा प्लान करने से दो माह पहले से ही इस दवा का सेवन इन दोषों के प्रति बच्चों को प्रतिरक्षा प्रदान करता है। इन दोषों के पहचान के बारे में प्रशिक्षण में विस्तार से जानकारी दी गयी है। प्रशिक्षु स्टॉफ नर्स शांति वर्मा ने बताया कि वह जन्मजात दोष के लक्षण वाले नवजात शिशुओं को आरबीएसके टीम को संदर्भित करेंगी ताकि समय रहते उन्हें उपचार मिल सके। प्रसव कक्ष में ही इन दोषों की पहचान करनी है।

142 बच्चों को मिला उपचार

आरबीएसके की डीईआईसी मैनेजर डॉ अर्चना ने बताया कि अप्रैल 2023 से फरवरी 2024 तक कुल 142 नवजात शिशुओं और बच्चों में जन्मजात दोष की पहचान कर उन्हें उपचार प्रदान किया गया है।

मजबूत लोकतंत्र के लिए चुनाव में 13 मई को सबकी भागीदारी अत्यंत आवश्यक : मंगला प्रसाद सिंह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

हरदोई। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 की स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत आज राजकीय कन्या महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी के साथ दीप प्रज्जवलित कर किया। उन्होंने विद्यालय की छात्राओं से मतदाता जागरूकता से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर संवाद किया। कॉलेज की छात्राओं ने सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की और स्वागत गीत गाकर अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी द्वारा प्रथम बार मतदाता बनी छात्राओं को सम्मानित किया गया तथा छात्रा कंचन ने मतदाता जागरूकता पर आधारित कविता का प्रस्तुतीकरण किया और छात्राओं ने हास्यपूर्ण मतदाता जागरूकता आधारित एक लघु नाटिका प्रस्तुत की। अपने संवाद में जिलाधिकारी ने लघु नाटिका की सराहना की और कहा कि 13 मई को स्वयं व परिवार के सदस्यों के साथ मतदान केन्द्र पर जरूर जाएं। निर्भीक होकर मतदान करने जाएं। ईवीएम के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी फेक सन्देश से बचें। यह पूरी तरह से एक सुरक्षित मशीन है। लोकतान्त्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए चुनाव में हम सबकी भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। इस बार संकल्प शक्ति से मतदान प्रतिशत के मामले में जनपद को शीर्ष पर ले जाना है। उन्होंने बताया कि जनपद में नारी शक्ति, दिव्यांग, युवाओं को समर्पित बूथ बनाये गए हैं। बूथों को मॉडल बूथ बनाया जा रहा है। 85 वर्ष से अधिक आयु व बूथ तक न आ पाने वाले दिव्यांग मतदाताओं को घर पर मतदान की सुविधा दी जा रही है।

मोदी की गारंटी को जन-जन तक पहुंचाएँ: सांसद

हरदोई। सदर लोकसभा के प्रत्याशी व सदर सांसद जयप्रकाश ने अपने संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत सवायजपुर विधानसभा में विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू के आवास पर संयुक्त रूप से भाजपा नेतृत्व द्वारा जनता के सुझावों को सीधे प्रधानमंत्री मोदी जी तक पहुँचाने हेतु क्षेत्र में आयी विकसित भारत- मोदी की गारंटी वाली सुझाव पेटिका में अपना सुझाव डाल कर अभियान का शुभारंभ किया। सांसद जयप्रकाश ने सवायजपुर विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों से आये ग्राम प्रधानों तथा जनता व कार्यकर्ताओं से आत्मीय भेंट कर आसन्न लोकसभा चुनावों की रणनीति पर विचार विमर्श किया। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी पूरा होने की पूरी गारंटी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएँ। इस मौके पर विनोद सिंह,प्रधान दिव्यांशु सिंह, रजनीश त्रिपाठी,जितेंद्र सिंह,अमित वर्मा, धीरेंद्र सिंह, अनिल सिंह व मुन्ना वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

मसाले की खेती में भारत का विश्व में पहला स्थान : बिजेन्द्र सिंह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के पशु-पालन महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में दो दिवसीय जिला स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। ₹आजीविका सुरक्षा एवं विकास के लिए सुगंधित एवं बीजीय मसालों की खेती' विषय पर संगोष्ठी आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह व अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ किया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि किसान 90 दिनों में तैयार होने वाले मेंथा की खेती कर कम समय में अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। मसाले की खेती करने में भारत विश्वभर में पहले स्थान पर है। मसाले की खेती के लिए सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं

जिसका लाभ किसानों को उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बागबानी मिशन और राष्ट्रीय कृषि योजना के तहत किसान मसाले की खेती करें। एफपीओ एवं स्वयं सहायता समूह के माध्यम से अपने उत्पादों का विक्रय करने पर किसानों को अधिक से अधिक फायदा होगा। सीमैप लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. राकेश कुमार ने कहा कि किसान सगंध एवं मसालों की जैविक विधि से खेती करें तो अधिक लाभ कमा सकते हैं। मेंथा की खेती हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके तेल का प्रयोग दवा तथा सुगंध बनाने में भी किया जाता है। इस खेती में बस नमी का ध्यान रखना होता है और कई बार पानी लगाने की जरूरत होती है वानिकी अधिष्ठाता डा. संजय पाठक ने बताया कि मेंथा की बुआई का उपयुक्त समय 15 जनवरी से 15 फरवरी तक होता है। नर्सरी से पौधों की रोपाई मार्च से अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक अवश्य कर देनी चाहिए नहीं तो किसानों को कम उपज प्राप्त होगी।

संचारी रोगों पर नियंत्रण के लिए अन्तर्विभागीय समन्वय पर हो जोर

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में हुई अन्तर्विभागीय समन्वय की बैठक

» आशा कार्यकर्ता ई कवच पर रिपोर्टिंग के साथ ही मरीज की स्क्रीनिंग के दौरान बनायेंगी आभा आईडी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर नगर। जिले में संचारी रोगों का नियंत्रण तभी संभव है जबकि स्वास्थ्य विभाग के साथ अन्य सभी सम्बन्धित विभाग अपने अपने हिस्से के दायित्वों का सम्पूर्ण निर्वहन करें । साथ ही सम्बन्धित विभागों में अन्तर्विभागीय समन्वय होना भी अति आवश्यक है । यह दिशा निर्देश मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) सुधीर कुमार ने शुक्रवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में देर शाम तक चली अन्तर्विभागीय समन्वय की बैठक के दौरान दिये। जिले में एक

अप्रैल से प्रस्तावित संचारी रोग नियंत्रण अभियान और दस अप्रैल से प्रस्तावित दस्तक अभियान के बारे में बैठक में विस्तार से चर्चा की गयी।

सीडीओ ने बताया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान में ग्राम्य विकास व पंचायती राज विभाग, आईसीडीएस, शिक्षा विभाग, नगर विकास विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, स्वच्छ भारत मिशन, दिव्यांग कल्याण विभाग, सूचना विभाग, संस्कृति विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग एक साथ गतिविधियां करते हैं । स्वास्थ्य विभाग नोडल विभाग की भूमिका में होता है। इस बार के संचारी रोग नियंत्रण अभियान में हीट स्ट्रोक से बचाव के उपाय, मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के उपाय और लेप्टोस्पायरोसिस व स्क्रब टाइफस से बचाव के उपायों के बारे में जनजागरूकता फैलाना एवं प्रभावी नियंत्रण के उपाय करना शामिल है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ आलोक रंजन ने बताया कि 12 विभागों के सहयोग से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया अभियान के दौरान आशा कार्यकर्ता ई कवच पर रिपोर्टिंग के साथ ही मरीज की स्क्रीनिंग के दौरान उनकी आभा आईडी भी क्रिएट करेंगी, साथ ही मरीज को रजिस्ट्रेशन की जानकारी देंगी। आभा आईडी बनने से हर मरीज की स्वास्थ्य कुंडली विभाग के पास रहेगी। इससे मरीजों के उपचार करने में सुविधा रहेगी। स्वास्थ्य विभाग के पास यह भी जानकारी रहेगी कि मरीज का कब और कौन सी बीमारी का इलाज हुआ। उन्होंने बताया विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ अभियान की लगातार मॉनिटरिंग करेंगे। किस विभाग ने क्या और कितना काम किया, इस पर निगाह रखी जाएगी। माइक्रो प्लान के अनुसार ही विभागों को काम करना होगा। सभी विभाग शीघ्र ही अपने माइक्रो प्लान उपलब्ध कराएंगे। विभिन्न बीमारियों के लक्षण वाले मरीजों को सरकारी अस्पताल के इलाज से जोड़ा जाएगा जबकि मच्छरों के घनत्व वाले मकानों में मच्छरों को नष्ट किया जाएगा ।

जिला मलेरिया अधिकारी एके सिंह ने पूर्व में चले अभियानों का फीडबैक साझा किया। दोनों प्रस्तुतियों और फीडबैक के आधार पर सीडीओ ने दिशा निर्देश दिया कि शिक्षा विभाग, आईसीडीएस, पंचायती राज विभाग, कृषि विभाग और नगर निकाय विभाग की भूमिका दोनों अभियानों में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। बीमारियों की रोकथाम और सुपोषण का संदेश जन जन तक इन अभियानों के जरिये पहुंचाया जाना चाहिए । खासतौर पर दस्तक पखवाड़े के दौरान आशा कार्यकर्ता और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता समन्वय स्थापित करते हुए बुखार पीड़ित लोगों को सूचीबद्ध करें और कुपोषित बच्चों को भी ढूंढ कर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली से जोड़ें।

जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया दस्तक अभियान में आशाओं को बताया जाएगा कि घर घर जाकर लोगों से कैसे बात करनी है और किन बीमारियों की स्क्रीनिंग करनी है। मलेरिया अधिकारी ने बताया घर-घर जाकर आशा कार्यकर्ता बुखार, आईएलआई (इन्फ्लूएंजा लाइक इलनेस), क्षय रोग और कुष्ठ रोग के लक्षण युक्त व्यक्तियों के साथ ही कुपोषित बच्चों और मच्छर प्रजनन पाए जाने वाले घरों की भी सूची तैयार करेंगी । इसके साथ ही ऐसे मकानों की सूची तैयार करेंगी, जहां घरों के भीतर मच्छरों का प्रजनन पाया गया हो। प्रतिदिन सभी रिपोर्ट ई-कवच पोर्टल पर अपलोड की जाएगी। उन्होंने बताया अभियान में संक्रमण से बचने व बुखार होने पर "क्या करें, क्या न करें" का प्रमुख स्थानों पर होर्डिंग, बैनर और पोस्टर आदि के माध्यम से प्रचार कराया जाएगा।

इस अवसर पर वेक्टर बार्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम के नोडल अधिकारी डॉ आरपी मिश्रा सहित समस्त विभागों के अधिकारी व अन्य अधिकारी प्रमुख तौर पर मौजूद रहे।

बूथ जीतने के लिए पदाधिकारियों में आपसी समन्वय आवश्यक : लल्लू सिंह

अयोध्या। लोक सभा क्षेत्र के सभी 24 मंडलों की बैठकें सम्पन्न हो गई। चुनावी व्यूह रचना को लेकर पदाधिकारियों में आपसी समन्वय के लिए प्रथम चरण में मंडलों बैठकों का आयोजन किया गया था। द्वितीय चरण में शक्ति केन्द्रों व बूथ के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की जाएगी। शुक्रवार को मिल्कीपुर मंडल, रानी बाजार मंडल व अयोध्या मंडल की बैठक सम्पन्न हुई। मिल्कीपुर मंडल की बैठक व्यापार भवन मिल्कीपुर तथा रानी बाजार मंडल की बैठक चुनाव कार्यालय प्रभात नगर में तथा अयोध्या मंडल की बैठक यशोदा लॉन अचारी के सागरा में आयोजित की गई। लोकसभा चुनाव संयोजक बांके बिहारी मणि त्रिपाठी ने सांगठनिक रिर्पोट पदाधिकारियों से लिया। मिल्कीपुर मंडल की बैठक में सांसद लल्लू सिंह ने कहा बूथ विजय ही चुनाव जीतने की सीढ़ी है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सरकारी अस्पतालों को होली पर किया अलर्ट

होली के दौरान हाई अलर्ट पर रहेंगी 108 व 102 एम्बुलेंस, 24 घंटे उपलब्ध होंगी आपातकालीन सेवाएं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आगामी होली त्योहार के चलते सरकारी अस्पतालों की इमरजेंसी सेवाओं में सजगता बढा दी गयी है। इसके लिए प्रदेश स्तर के सभी चिकित्सालयों को अलर्ट मोड में कार्य करने की हिदायत दे दी गयी है। शुक्रवार को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने होली को लेकर सरकारी अस्पताल और मेडिकल संस्थानों को अलर्ट जारी कर दिया गया है। प्रदेश के सभी अस्पतालों में होली के दिन इमरजेंसी सेवाएं संचालित की जाएंगी और विशेषज्ञ डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई जाएगी। साथ ही पैरामेडिकल स्टॉफ और कर्मचारियों को भी मुस्तैद किया जाएगा। डिप्टी सीएम ने कहा कि इलाज में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। सभी अस्पतालों व मेडिकल संस्थानों के अधिकारियों को होली को लेकर विशेष सजगता बरतने के निर्देश जारी कर दिए गये हैं। उन्होंने कहा कि होली में सड़क हादसे,केमिकल युक्त रंग का भी लोग इस्तेमाल करते हैं। जिससे इससे त्वचा संबंधी समस्याएं होती हैं। तरह-तरह के पकवाने खाने से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों की आशंका बढ़ जाती हैं। ऐसे में मरीजों को अस्पतालों में किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाने के लिए इलाज की व्यवस्था को पुख्ता करने के निर्देश दिये है। डिप्टी सीएम ने कहा कि इमरजेंसी में जरूरी दवाओं का स्टॉक जुटा लें। त्योहार के मद्देनजर बेवजह अस्पतालों में डॉक्टर-कर्मचारी अवकाश न लें।

लखनऊ। होली के दौरान आवश्यकता पड़ने पर 108 नम्बर डायल करें। इमरजेंसी एम्बुलेंस सेवा कुछ ही मिनट में आपकी मदद के लिए पहुंचेगी। होली के दौरान एम्बुलेंस सेवाओं को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। त्यौहार के दौरान 108 व 102 एम्बुलेंस सेवाएं 24 घंटे निःशुल्क उपलब्ध रहेंगी। प्रदेश सरकार ने ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज कंपनी को उत्तर प्रदेश में 108 व 102 एम्बुलेंस सेवाओं के संचालन की जिम्मेदारी दी है। कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट टीवीएसके रेड्डी ने बताया कि होली को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। 108 एम्बुलेंस रूप से चिन्हित किए गए विशेष स्थानों, दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों, व थानों के नजदीक मौजूद रहेगी। जिससे आपात स्थिति में मरीजों को प्राथमिक इलाज उपलब्ध होने के साथ ही एम्बुलेंस से जल्द से जल्द निकटतम अस्पताल पहुंचाया जा सके। हर जरूरतमंद व्यक्ति को कम से कम समय में एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध कराकर उसकी जान बचाना हमारी प्राथमिकता है।

इलेक्टोरल बांड आजाद भारत का सबसे बड़ा चुनावी चंदा घोटाला : अभय दुबे

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अभय दुबे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा 02 जनवरी 2018 से अधिसूचित इलेक्टोरल बांड योजना आजाद भारत में चुनावी चंदे की सबसे बड़ी भ्रष्ट योजना बन गई है। भाजपा द्वारा सफेद तरीके से काला धन एकत्र करने की एक अपारदर्शी योजना बनाई गई। जो सरकारी शक्ति के दुरूपयोग का एक नायाब नमूना बन गई है। 15 फरवरी 2024 को सर्वोच्च न्यायालय के पांच न्यायमूर्तियों की एक पीठ ने इस योजना को एक मत से असंवैधानिक करार देते हुए खारिज कर दिया। दुबे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने शुरू से ही इस चंदे के काले धंधे का विरोध किया था, हमने बार-बार कहा कि यह योजना भाजपा सिर्फ अपने फायदे के लिए और चुनावी चंदे में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के लिए ला रही है।

पीडीए किसी की जेब का एजेंडा नहीं है बल्कि एक मिशन है : पल्लवी पटेल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव के अपना दल (कमेरावादी) से 2024 में गठबंधन न होने की बयान को लेकर दोनों ही दलों के नेताओं के बयानों का दौर शुरू हो गया है। इसी क्रम में शुक्रवार को अपना दल (कमेरावादी) की नेता व सिराथू विधायक पल्लवी पटेल ने पार्टी कार्यालय पर प्रेस वार्ता की।

उन्होंने पत्रकारों से कहा कि उनकी पार्टी लोकसभा चुनाव में सपा के मीरजापुर सीट पर उम्मीदवार घोषित किए जाने के बावजूद उनकी पार्टी मीरजापुर के अलावा फूलपुर और कौशाम्बी सुरक्षित सीट से अपने उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारेगी।अपना दल कमेरावादी की नेता पल्लवी ने लोकसभा चुनाव में गठबंधन धर्म पूरा न करते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) किसी की जेब का एजेंडा नहीं है, पीडीए एक मिशन है और इस मिशन के साथ अपना दल (कमेरावादी) 2024 के चुनाव मैदान में मजबूती से उतरेगी।पल्लवी पटेल ने आगे कहा कि हमारी पार्टी की ओर से गठबंधन का हर संभव रास्ता अपनाया गया है। इसको लेकर ही अपना दल (कमेरावादी) की ओर से तीन सीटों पर प्रस्ताव रखा था।

प्रस्तावित सीटों पर चुनाव लड़ने की जानकारी समाजवादी और कांग्रेस पार्टी को बताई थी। अब कांग्रेस तय करें कि पिछड़ों के नेता के साथ हैं या नहीं। एक सवाल का जवाब देते हुए पल्लवी पटेल ने कहा कि मैं अपना दल गठबंधन की विधायक हूं। समाजवादी पार्टी के सिंबल पर लड़ी जरूर थी लेकिन मैं कहीं से भी सपा विधायक नहीं हूं। उन्होंने कहा कि मेरी सदस्यता छीनने के अधिकार सपा के पास है, वह फैसला लें।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ आप ने प्रदेश भर में किया विरोध-प्रदर्शन, पुलिस से हुईं तीखी झड़पें

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में कार्यकर्ताओं ने प्रदेश भर में विरोध प्रदर्शन कर नाराजगी जताई। राजधानी लखनऊ में भाजपा प्रदेश कार्यालय का घेराव करने जा रहे कार्यकर्ताओं की पुलिस से तीखी झड़प व धक्कामुक्की हुई। पुलिस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर ईको गार्डेन गई।

पूर्वघोषित कार्यक्रम के अनुसार राजधानी में प्रदेश प्रवक्ता इरम रिजवी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने परिवर्तन चौक पर विरोध प्रदर्शन किया। वह भाजपा प्रदेश कार्यालय का घेराव करने के लिए आगे बढ़े तो पुलिस ने बैरिकेटिंग कर रोक लिया। केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ताओं की आगे जाने को लेकर पुलिस से धक्का-मुक्की हुई। पुलिस कार्यकर्ताओं को बस में भरकर ईको गार्डेन ले गई।

इसी तरह विभिन्न जिलों में कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कई जगह वह हिरासत में लिए गए। प्रदेश प्रवक्ता इरम रिजवी ने कहा कि आज देश स्तब्ध है कि अदालत में मामला विचाराधीन होने के बावजूद, रात के अंधेरे में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ़्तार कराया गया। यह लोकतंत्र की सरेआम हत्या हुई है। पीएम नरेंद्र मोदी केजरीवाल से डरे हुए हैं। आगामी लोकसभा चुनाव में पीएम हार रहे हैं।

इसीलिए चुनाव घोषित होते ही अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करवा दिया ताकि अरविंद केजरीवाल चुनाव प्रचार न कर पाए। केजरीवाल को कैद किया जा सकता है लेकिन उनकी सोच को कैद नहीं किया जा सकता है। प्रदर्शन में वंशराज दुबे, पंकज यादव, प्रियंका श्रीवास्तव, सुभाषिनी मिश्रा, संगीता जायसवाल, इस्मा जहीर, मुकेश शुक्ला, अंशुल, मनोज जॉनी आदि शामिल थे।

एसपी रेलवे ने चारबाग स्टेशन का किया दौरा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आगामी होली पर्व पर यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रेलवे ने चारबाग रेलवे स्टेशन पर भ्रमण करके सुरक्षा व्यवस्था का जायेजा लिया और सभी अफसरों को आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रशान्त वर्मा द्वारा पर्याप्त पुलिस बल के साथ रेलवे स्टेशन चारबाग़ पर बेहतर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस उपाधीक्षक रेलवे विकास पांडे, जीआरपी, आरपीएफ, एएसचैक टीम, बीडीएस टीम व डॉग स्क्वाड टीम के साथ भ्रमण करके सुरक्षा का जायजा लिया।

इस दौरान यात्रियों से बातचीत कर उन्हें सुरक्षा का एहसास दिलाया गया और बेहतर सुरक्षा के दृष्टिगत पूरे स्टेशन परिसर के निगरानी सीसीटीवी कंट्रोल रूम द्वारा की जा रही है। रेलवे स्टेशन पर आने जाने वाले यात्रियों पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही है, प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया का भ्रमण व निरीक्षण करके सुरक्षा का जायजा लेकर संबंधित को सुरक्षा के संबंध में निर्देश दिए। यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर अनुभाग लखनऊ के समस्त रेलवे स्टेशन की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है, सुरक्षा व्यवस्था एवं भीड़ नियंत्रण के दृष्टिगत विस्तृत पुलिस प्रबन्ध कराया गया।

पुलिस फोर्स को ब्रीफ कर ड्यूटी प्वाइंट पर सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। स्टेशनो पर लगातार जीआरपी व एएसचैक टीम,बीडीएस टीम व डॉग स्क्वाड टीम लगातार सरकुलेटिंग एरिया, पार्किंग, पार्सल घर, प्लेटफार्म, पार्किंग में खड़े दोपहिया वाहनों, सदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, ज्वलनशील वा मादक पदार्थ की निरतंर चेकिंग की जा रही है।

मंडलायुक्त ने हैप्पीनेस पार्क का निरीक्षण किया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब ने शुक्रवार को गौतम बुद्ध पार्क यानि हैप्पीनेस पार्क का औचक निरिक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माणधीन कार्यों का जायजा लेते हुए निर्देश दिया कि कार्यों की गुणवत्ता व मानक का विशेष ध्यान रखा जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराए। निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन कार्यों की धीमी रफ्तार मिलने पर उन्होंने तत्काल मेन पावर की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अप्रैल माह के लास्ट तक संपूर्ण कार्य पूर्ण हो जाने चाहिए। कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पार्क में एक्टिविटी के कुछ और मूवमेंट शामिल करें। उन्होंने कहा कि पार्क के आकर्षण के दृष्टिगत पार्क में साज-सज्जा का कार्य करा लें। इसके अलावा पार्क में म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट स्थापित करने का कार्य भी जल्द कराए। उन्होंने पार्क में वेस्ट मटेरियल से बने बच्चों के खेलते हुए विभिन्न आकृतियां जैसे कंचे,लट्टू, गिल्ली डंडा, रोलिंग टायर, फनी सेल्फी जोन का जायजा लिया।

व्यापार मंडल की ईमानदार टीम बनायें : बंसल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रमुख पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र वितरित करते हुए संगठन अध्यक्ष संदीप बंसल ने कहा कि सभी पदाधिकारी अलग-अलग बाने और अलग-अलग क्षेत्र के हों। स्पष्ट निर्देशित किया कि भले ही पदाधिकारी की संख्या कम रहे लेकिन पदाधिकारी ईमानदार होना चाहिए। आगे कहा कि लखनऊ महानगर की टीम को पूरे देश के लिए एक मिसाल प्रस्तुत करनी चाहिए ताकि व्यापारी वर्ग को जिसे वास्तविक सम्मान की प्रति होनी चाहिए वह होना शुरू हो व्यापारी प्रतिनिधियों के आचरण से व्यापारी का सम्मान बढ़ाना चाहिए घटना नहीं। दारूल शफा स्थित पार्टी कार्यालय पर शुक्रवार को श्री बंसल ने लखनऊ महानगर के अध्यक्ष पद पर चिकन व्यवसाय एवं अमीनाबाद परिक्षेत्र का नेतृत्व कर रहे सुरेश छाबलानी को मनोनयन पत्र दिया। लखनऊ संसदीय क्षेत्र से पांच विधानसभाओं से पांच महामंत्रियों का चुनाव किया गया जिसमें लखनऊ मध्य क्षेत्र से प्रिंटिंग व्यवसाय से अनुज गौतम पूर्वी से साइकिल, जिम से राजीव अरोड़ा उत्तर क्षेत्र से कपड़ा व्यवसाय से राजीव कक्कड़, पश्चिम से आयुर्वेदिक जड़ी बूटी से दीपेश गुप्ता, एवं कैंट विधानसभा से जूता व्यवसाय से जुड़े प्रमुख व्यापारी हरीश मलानी को महामंत्री बनाया गया। कोषाध्यक्ष के पद पर राममोहन अग्रवाल को मनोनयन पत्र दिया गया।

20 लाख 50 हजार के खोये फोन हुए बरामद

लखनऊ। राजधानी कमिशनरेट पुलिस कि पश्चिमी जोन पुलिस ने लापता हुए लगभग एक सौ एक मोबाइल बरामद करने मे सफलता प्राप्त कि है। पुलिस ने इन सभी मोबाईलो के मालिकों से बात कर उन्हें उनके मोबाईल सौंपे। अपने खोये हुए मोबाइल पाकर लोगों ने डीसीपी पश्चिम और उनकी सर्विलान्स टीम को धन्यबाद दिया। पुलिस उपायुक्त पश्चिमी डॉ दुर्गेश कुमार ने बताया कि सर्विलांस सेल पश्चिमी जोन टीम द्वारा अथक परिश्रम एवं मेहनत के फलस्वरूप विभिन्न कम्पनियों के 101 मोबाइल फोन लखनऊ तथा अन्य जनपद एवं अन्य प्रान्तो से बरामद किया गया जिन्हें पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी)ने उनके वास्तविक धारकों को वापस दिलाये। उन्होंने बताया कि बरामद हुए मोबाइल फोन कि कीमत लगभग 20 लाख 50 हजार रुपए लगाई जा रही है।

संचारी रोग नियंत्रण को जिला टास्क फोर्स की बैठक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी में संचारी रोग को नियंत्रण को हर घर दस्तक देकर जागरूक करेंगे। दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए 1 से 30 अप्रैल तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण और 10 से 30 अप्रैल तक दस्तक अभियान चलाया जायेगा। शुक्रवार को जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार के निर्देशन में एडीएम, वित्त एवं राजस्व राकेश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला टास्क फोर्स की बैठक की गयी। जिसमें एडीएम ने सभी विभागों को अभियान को सफल बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि कचरा निस्तारण, सूकरबाड़ों को आबादी से दूर रखने, आबादी वाले क्षेत्रों में घरों के आस-पास झाड़ियों की साफ- सफाई, नालियों को ढकने, घर से छछूंदर, चूहों को भगाने, जल भराव को रोकने, शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। वहीं सीएमओ डा. मनोज अग्रवाल ने बताया कि 10 से 30 अप्रैल तक दस्तक अभियान चलेगा। इसके तहत आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बुखार, इंफ्लुएंजा लाइक इलनेस, फाइलेरिया, काला जार, कुष्ठ रोग के लक्षण वाले व्यक्तियों और कुपोषित बच्चों का नाम, पता, मोबाइल नंबर सहित सम्पूर्ण विवरण ईझकवच पोर्टल पर अपलोड करेंगी। ऐसी स्थिति में वेक्टरजनित और जलजनित रोगों के आउटब्रेक्स अधिक होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम से संबंधित रोगों के बारे में विभिन्न विभागों के परस्पर समन्वय से प्राथमिकता के आधार पर भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर लोगों के लिए शुद्ध एवं शीतल पेयजल की व्यवस्था करने, गर्मी से बचाव के लिए शेल्टर्स की सुविधा, व्यस्त स्थानों पर मौसम के पूर्वानुमान तथा तापमान का डिस्प्ले करने, हीट वेव से बचाव के लिए उपायों का विद्यालयों एवं जनमानस में व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिये।

मनाई गई उत्तराखंड की पारम्परिक होली

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मकसद संस्था, ग्राम कड़ाकोट पोस्ट भिकियासैण, जनपद अल्मोड़ा उत्तराखण्ड के तत्वाधान में संस्कृति निदेशालय देहरादून उत्तराखण्ड के सहयोग से उत्तराखण्ड की पारम्परिक होली पर आधारित होलिकोत्सव-2024 का आयोजन ग्राम कड़ाकोट पोस्ट भिकियासैण जनपद अल्मोड़ा उत्तराखण्ड में हेमा बिष्ट सचिव के निर्देश न में तथा पुष्पा बिष्ट के सहायक निर्देशन में किया गया।

संस्था के अध्यक्ष मनोहर सिंह द्वारा कार्यक्रम का सुभारम्भ किया गया। वरिष्ठ लोक कलाकार सिरोमणी भतरौजी द्वारा हारमोनियम पर तथा ढोलक पर पुष्पा बिष्ट एवं मंजू रावत ने सर्व प्रथम शिवजी को दाता विघ्न विनाशन, दूसरी होली नदी यमुना के तीर कदंब चढ कान्हा एजाए रहा बासुरिया की प्रस्तुति दी। हेमा बिष्ट द्वारा राजा दशरथ द्वार मची होली गाकर महिलाओं ने पारम्परिक होली गीतों की सुन्दर श्रृंखलाबद्ध तरीके से प्रस्तुति दी। पुष्पा बिष्ट एवं हंसी बिष्ट द्वारा सुमिरो सीता राम की से होली गीतों की प्रस्तुति दी वही शिरोमणी भतरौजी द्वारा जल कैसे भरू जमुना गहरी और सिद्ध को दाता विघ्न विनासन गीत गाकर होलिकोत्सव मे रंगों संग नृत्य भी किया गया।

देवकी देवी एवं पूजा ने होली गणपति को भज लीजे मनवा गीत गाये वही होलिकोत्सव में हेमा बिष्ट ने कहा कि शास्त्रीय और गीतों की विविधता उत्तराखण्ड की होली को विशिष्टता प्रदान करती है। कुमाऊँनी होली कुमाऊँ की अनमोल सांस्कृतिक विरासतों में एक है। वहीं होलिकोत्सव में अध्यक्ष मनोहर सिंह बिष्ट ने सभी होलियारों को रंगों के त्योहार की बधाई दी।

जन जागरूकता से ही होगा जल संरक्षण

लखनऊ। हमें यह समझना होगा कि जल संरक्षण मात्र एक नारा नहीं बल्कि आन्दोलन है. इसे जन-जन तक ले जाना हमार दायित्व है। आजकल जो असमय बारिश हो रही है वो भूमिगत जल के अत्यधिक दोहन का परिणाम है। यह भी वैश्विक तापमान में लगातार हो रही है वृद्धि का एक बड़ा कारक है.ह्व उक्त विचार आज लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के संयुक्त तत्वावधान में विश्व जल दिवस पर संपन्न हुई संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे भूगर्भ वैज्ञानिक प्रो. अजय मिश्र ने कहा। शिक्षकों और छात्र-छात्राओं को बताया कि किस तरह जल दूषित होता है और उसे स्वच्छ रखने के क्या तरीके हो सकते हैं.उन्होंने घरों में उपयोग किये जा रहे आरओ एवं अन्य जल शुद्धिकरण के यंत्रों द्वारा इस्तेमाल किये जा रहे पानी से उत्पन्न हुई स्वास्थ्य समस्यायों पर भी प्रकाश डाला।

टीबी के साथ रखें अन्य बीमारियों का भी ख्याल: डा. सूर्यकान्त

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। क्षय रोग यानि टीबी की चपेट में आने के साथ ही अन्य बीमारियों की गिरफ्त में आने की पूरी संभावना रहती है क्योंकि शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है । इसलिए टीबी के साथ अन्य बीमारियों का भी ख्याल रखना जरूरी है। यह कहना है - नॉर्थ जोन टीबी टास्क फोर्स के चेयरमैन एवं किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के रेस्पिरेटरी मेडिसिन के विभागाध्यक्ष डा. सूर्यकांत का।

डॉ. सूर्यकान्त का कहना है कि यदि टीबी मरीज डायबिटीज, गुर्दा रोग, एचआईवी या अन्य किसी बीमारी से ग्रसित है तो इन बीमारियों का सुचारू रूप से परीक्षण और नियंत्रण जरूरी है । टीबी की दवाएं यूरिक एसिड, लिवर, गुर्दे, पर भी असर डालती हैं इसलिए टीबी मरीज को इनका भी परीक्षण कराना चाहिए और चिकित्सक की सलाह का पालन करना चाहिए । इसके साथ ही यदि टीबी मरीज धूम्रपान, शराब या अन्य किसी नशे का सेवन करता है या कोई

टीबी ग्रसित महिला चूल्हे पर खाना बनाती है तो भी टीबी की दवाएं कम असर करती हैं । इसके अलावा यदि टीबी ग्रसित बच्चा है तो चूल्हे का धुआँ उसे परोक्ष रूप से उसे प्रभावित करेगा जिससे कि उस पर भी टीबी कि दवाएं कम असर करेंगी । टीबी ग्रसित होने पर धूम्रपान, शराब, नशे आदि पर नियंत्रण रखें और चूल्हे पर खाना बनाना छोड़ें ।

टीबी मरीज को चिकित्सक के परामर्श से नियमित रूप से दवा का सेवन करने के साथ ही खान-पान का भी पूरा ख्याल रखना चाहिए। टीबी के इलाज के दौरान खानपान का ख्याल रखने के लिए ही सरकार की तरफ से टीबी रोगियों को हर माह 500 रुपये सीधे बैंक खाते में दिए जाते हैं। इसके बाद भी जो टीबी मरीज अपने खान-पान का ख्याल रखने में असमर्थ हैं, उनके लिए सरकार द्वारा निक्षय मित्रों की मदद से गोद लिए जाने की भी व्यवस्था की गई है। इसलिए सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेकर जल्दी से जल्दी टीबी को मात दे सकते हैं और अन्य बीमारियों की चपेट में आने से बच सकते हैं।

डा. सूर्यकांत बताते हैं कि लोग गूगल अन्य किसी साइट से बीमारी संबंधी सूचनाओं की जानकारी लेते हैं जबकि ऐसा नहीं करना चाहिए । यह सूचनाएं सही नहीं होती हैं बल्कि भ्रामक होती हैं । इन सूचनाओं पर भरोसा नहीं करना चाहिए । केवल चिकित्सक की सलाह को अक्षरशः मानना चाहिए और उसका पालन करना चाहिए।

केस- तेलीबाग निवासी 24 वर्षीय छात्र शशांक गुप्ता को आंतों की मल्टी ड्रग रसिस्टेंट(एमडीआर) टीबी हुई ।उनका टीबी का इलाज चल ही रहा था कि उन्हें दिल में पानी भरने की समस्या हो गई थी।इस दौरान उन्हें इरिटेबल बाउल सिंड्रोम (आईबीएस) की भी समस्या हुई । टीबी के साथ अन्य बीमारियों का इलाज चला ।

मुझे डाक्टर ने बताया था कि टीबी की दवाओं के सेवन के बाद इसके दुष्प्रभाव होंगे लेकिन दवाओं का सेवन नहीं छोड़ना है । जब मैं दवा खाता था तो मुझे दो से तीन घंटों तक आँखों से कम दिखता था और कभी कभी मैं रंग भी नहीं पहचान पाता था । दवा खाने के बाद कभी कभी उल्टी भी हो जाती थी । मुझे लगता था कि मैं कभी ठीक नहीं हो पाऊँगा । इस दौरान लॉक डाउन हो गया । मैंने घर से निकलना छोड़ दिया । टीबी यूनिट के लोग घर पर ही दवा दे जाते थे। टीबी यूनिट और स्वयंसेवी संस्था वर्ल्ड विजन के लोगों ने इलाज के दौरान काउंसलिंग की और मेरी ऐसे लोगों से फोन पर बात कराई जो कि एमडीआर टीबी से ठीक हो चुके थे । मुझे इससे यह आशा जागी कि मैं भी ठीक हो सकता हूँ।

शशांक के अनुसार उन्हें टीबी यूनिट और गूगल से यह पता चला था कि आंतों की टीबी संक्रामक नहीं होती है । वह यह भी जानते थे कि लोग उनकी इस बात का भरोसा नहीं करेंगे । इसलिए उन्होंने अपने दोस्तों और रिश्तेदारों की टीबी के बारे में कुछ भी नहीं बताया था। उनका यह सोचना था कि पता चलने पर लोग उनसे बात करना छोड़ देंगे।

आज शशांक स्वस्थ हैं और टीबी चैम्पियन बन कर लोगों को टीबी के इलाज से उबारने में मदद कर रहे हैं । वह टीबी चॅम्पियन के तौर पर काम करते हुए लगभ 200 लोगों की उनकी समस्याओं, इलाज और कार्यक्रम के बारे में फोन पर काउंसलिंग कर चुके हैं।

पुलिस भर्ती परीक्षा पेपर लीक करने का आरोपित गिरफ्तार

लखनऊ। एसटीएफ ने पुलिस भर्ती परीक्षा के पेपर लीक में हरियाणा के गुरुग्राम से रिसॉर्ट मालिक सतीश धनकड़ को गिरफ्तार कर लिया है। इस रिसॉर्ट में ही पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर आउट कराया गया था। एसटीएफ आरोपित से पूछताछ में जुटी है। पुलिस भर्ती परीक्षा के पेपर लीक के आरोपितों को एसटीएफ लगातार गिरफ्तार कर रही है। एसटीएफ की मेरठ यूनिट ने पेपर लीक कराने वाले नेचर वैली रिसॉर्ट के मालिक सतीश धनकड़ को गिरफ्तार कर लिया है। सतीश धनकड़ के रिसॉर्ट में ही 16 फरवरी को पेपर लीक कराया गया था और 1000 अभ्यर्थियों को बुलाकर एक साथ पेपर पढ़वाया गया था। पेपर को आउट कराने की पूरी प्लानिंग भी रिसॉर्ट में ही बनी थी। इसमें दिल्ली पुलिस का हेड कॉन्स्टेबल, बिहार का डॉक्टर समेत अन्य शहरों से सॉल्वर आए थे। एसटीएफ मेरठ के अपर पुलिस अधीक्षक बृजेश सिंह के अनुसार, गुरुवार की देर रात सतीश धनकड़ को गुरुग्राम के रिसॉर्ट से गिरफ्तार किया गया।

घोटाले के साये में हो रहा लोक सभा चुनाव, आगे की डगर में झंझावात संभव

'370' लोकसभा सीटें जीतने के लिए भाजपा को दक्षिण भारत से भी जीत हासिल करनी होगी। एनडीए के लिए तीसरा कार्यकाल दक्षिण से जीत पर निर्भर करता है। हम जो सुन रहे हैं वह यह है कि भाजपा के पास दक्षिण जीतने का फॉर्मूला है और एक योजना तैयार की गई है। प्रधानमंत्री मोदी 19 मार्च तक दक्षिण भारत में रहेंगे और मोदी का दक्षिण अभियान जोरों पर है।

भाजपा से नफरत करने वाले दक्षिणी लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हर उस चीज से पहचानते हैं जिसके बिना उनका मानना है कि भारतीय रह सकते हैं,जैसे चुनावी बॉन्ड, अयोध्या राम मंदिर, नागरिक संशोधन अधिनियम, भाजपा नेताओं की दबंगई, कानून के शासन नष्ट होना, आपे से बाहर हुए बुलडोजर आदि। सबसे बढ़कर, बड़ी संख्या में भारतीयों का मानना है कि वे नरेंद्र मोदी के लिए तीसरे कार्यकाल के बिना काम कर सकते हैं, जो आजकल '400 पार' की इतनी लापरवाही से बात करते हैं कि अधिकांश दक्षिणी लोग उनके पुतलों के साथ सड़कों पर उतरने को उत्सुक हैं।

16 मार्च, 2024 को लोक सभा के आम चुनावों के लिए मतदान कार्यक्रम की घोषणा की गई और बताया गया कि चुनाव की तारीखें क्या होंगी और चुनाव कितने चरणों में संपन्न होंगे। जब दिल्ली में यह घोषणा हो रही थी तब चुनावी बॉन्ड की तूफान से जूझ रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दक्षिण दौरे पर थे, जिसमें तमिलनाडु, केरल और तेलंगाना की रैलियां शामिल थीं। आंध्र प्रदेश में भी एक रैली की तैयारी थी। प्रधानमंत्री इस बात को गहराई से महसूस करते हैं कि दक्षिण ने भाजपा को खारिज कर दिया है और यह एक ऐसा गढ़ है जो उनकी पकड़ से ऐसे दूर है जैसे पानी उनकी मुट्ठी से निकल जाता है। 15 मार्च को मोदी ने केरल में एक और तमिलनाडु में एक रैली को संबोधित किया। फिर, तेलंगाना में उनका एक रोड शो हुआ, यह सब काम में व्यस्त प्रधानमंत्री के लिए एक दिन का काम था। प्रधानमंत्री को उम्मीद है कि दक्षिण इस बार नरम पड़ जायेगा और यह बात उनके दिमाग में बैठ गई है कि हाल के कई राजनीतिक और सामाजिक घटनाक्रमों ने दक्षिण के लोगों का भारतीय जनता पार्टी और विशेष रूप से उनके प्रति दृष्टिकोण बदल दिया है।

यदि पूछो तो दक्षिणवासी मोदी की कीमत पर हँस भी सकते हैं। दक्षिण के लोगों ने, उत्तर के अपने असंबंधित चचेरे भाइयों के विपरीत, निर्धारित तरीके और श्रेष्ठता की भावना विकसित की है जिसका कोई इलाज नहीं है। देखिए वे मूंछों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। दक्षिण के लगभग हर हीरो मूंछों वाले हैं। यह कहना पर्याप्त है कि दक्षिण अलग तरह से सोचता है, कार्य करता है और वोट देता है, यहां तक कि उत्तर जिस तरह से वोट करता है उससे बिल्कुल विपरीत भी। क्या राहुल गांधी ने इस ओर ध्यान नहीं दिलाया?

और, जैसा कि कहा जाता है, दक्षिण के मतदाताओं को 'मोदी का नंबर मिल गया है'। वे उसके इरादों को जानते हैं। और वे मूर्ख नहीं बनेंगे। पिछली बार भी नहीं बने; अगली बार नहीं बनेंगे। उद्देश्य का सामंजस्य स्पष्ट रूप से देखा जाता है। उदाहरण के लिए, केरलवासी सांप्रदायिक प्रवृत्तियों से निपटने में असाधारण गर्व महसूस करते हैं, एक होकर कार्य करते हैं - चाहे वह हिंदू हो, मुस्लिम हो या ईसाई हो - जो 'सांप्रदायिक सद्भाव' और 'धर्मनिरपेक्षता' की व्यंजना से जाना जाता है।

दक्षिण भी उत्तर को अपने कंधों पर लेकर स्वयं को एटलस मानता है। केरल उपहास करता है और तमिलनाडु भी अक्सर उत्तर का उपहास करता है। क्या एक डीएमके सांसद ने उत्तर के हिंदी भाषी राज्यों को 'गौमूत्र राज्य' का नाम नहीं दिया? गौमूत्र का इशारा सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी की ओर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी आरएसएस के ही व्यक्ति रहे हैं और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि दक्षिण में आरएसएस जैसे लोगों की कोई कमी नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में मुट्ठी भर लोकसभा सीटें जीतना एक नई प्रवृत्ति की शुरुआत होगी जो भाजपा के उत्तर से दक्षिण और पूर्व और पश्चिम तक वास्तव में एक अखिल भारतीय पार्टी होने के सपने को पूरा करेगी। यदि लोगों ने ध्यान नहीं दिया है, तो भाजपा को '400 पार' का पूरा भरोसा है और विपक्षी दल इसे अपने नुकसान की जोखिम पर हल्के में ले रहे होंगे।

ध्यान रखें, यह एक चेतावनी है। '370' लोकसभा सीटें जीतने के लिए भाजपा को दक्षिण भारत से भी जीत हासिल करनी होगी। एनडीए के लिए तीसरा कार्यकाल दक्षिण से जीत पर निर्भर करता है। हम जो सुन रहे हैं वह यह है कि भाजपा के पास दक्षिण जीतने का फॉर्मूला है और एक योजना तैयार की गई है। प्रधानमंत्री मोदी 19 मार्च तक दक्षिण भारत में रहेंगे और मोदी का दक्षिण अभियान जोरों पर है। केरल के मतदाताओं के लिए मलयालम में चार/पांच शब्द और तमिलनाडु के मतदाताओं के लिए तमिल में इतनी ही संख्या जोड़ने से दोनों में से किसी भी राज्य में मतदाता एकजुट नहीं होंगे। मोदी का मानना है कि मलयाली और तमिल दोनों आज नहीं तो कल-परसों भाजपा को वोट देंगे। परन्तु अभी उनकी यह आशा पूरी होती नहीं दिख रही।

मुजफ्फरनगर कांडः सामूहिक बलात्कार में 30 साल बाद मिला 'अधूरा न्याय'

2 अक्तूबर 1994 के मुजफ्फरनगर काण्ड के सिलसिले में मसूरी की उत्तराखण्ड संघर्ष समिति की ओर से याचिकाकर्ता: सुधीर थपलियाल, जोत सिंह एवं देवराज कपूर द्वारा इलाहाबाद हाइकोर्ट में 7 अक्टूवर 1994 को न्यायाधीश न्यायमूर्ति रवि एस. धवन एवं न्यायमूर्ति ए.बी.श्रीवास्तव की बेंच में याचिका दायर की थी।

जयसिंह रावत

सन नब्बे के दशक में पृथक राज्य के लिए भड़के उत्तराखण्ड आन्दोलन के दौरान मुजफ्फरनगर के रामपुर तिराहा पर पुलिस द्वारा दुष्कर्म, छेड़छाड़ और लूटपाट के मामले में उन्नीसवीं सदी में 4 बार ब्रिटेन के प्रधानमंत्री रहे विलियम एवार्ट ग्लेडस्टन द्वारा कही गई यह कहावत, कि न्याय में विलम्ब होना न्याय से वंचित होने के समान है, एकदम सटीक साबित हो गई है। इस मामले में मुजफ्फरनगर के सत्र न्यायाधीश- कोर्ट नंबर सात विशेष न्यायाधीश (सीबीआई) ने पीएसी के दो सेवानिवृत्त जवानों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने प्रत्येक दोषी पर 50-50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड की धनराशि क्षतिपूर्ति के रूप में पीड़ता को देने के आदेश दिए गए हैं। अक्तूबर 1994 में हुए रामपुर तिराहा कांड में यह पहला फैसला है। इस मामले में न्याय का एक छोटा सा अंश पाने में ही पूरे 30 साल लग गए। इस सजा के बाद भी आरोपियों के पास न्याय के लिए सुप्रीमकोर्ट तक जाने के लिए लम्बा वक्त बचा हुआ है। इतने बड़े और अभूतपूर्व कांड में केवल ये दो पुलिसकर्मी बलात्कारी नहीं थे। सीबीआई जांच में उत्तराखण्ड मूल के दो पुलिसकर्मी भी आरोपी थे जिन्हें राज्य के गठन के बाद सजा मिलने के बजाय तरक्कियां मिलती गईं।

दरअसल 2 अक्तूबर 1994 के मुजफ्फरनगर काण्ड के सिलसिले में मसूरी की उत्तराखण्ड संघर्ष समिति की ओर से याचिकाकर्ता- सुधीर थपलियाल, जोत सिंह एवं देवराज कपूर द्वारा इलाहाबाद हाईकोर्ट में 7 अक्टूबर 1994 को न्यायाधीश न्यायमूर्ति रवि एस. धवन एवं न्यायमूर्ति ए.बी.श्रीवास्तव की बेंच में याचिका दायर की थी। इस याचिका पर इलाहाबाद हाइकोर्ट ने पुलिस दमन को राज्य प्रायोजित आतंकवाद बताया था।

कोर्ट ने पूरे घटनाक्रम की जांच के लिए सीबीआई को आदेश जारी किए थे और सीबीआई ने सम्पूर्ण उत्तराखण्ड आन्दोलन में पुलिस दमन की जांच कर अपनी रिपोर्ट कई खण्डों में अदालत में दाखिल की थी। उन्हीं में से एक रिपोर्ट में आंदोलनकारी महिलाओं के साथ दुष्कर्म, लज्जाभंग, घायल करने और लूटपाट का विस्तृत विवरण था जिसे जयसिंह रावत की सद्य प्रकाशित पुस्तक ''उत्तराखण्ड का नवीन राजनीतिक इतिहास'' में दिया गया है। उसी विवरण का एक छोटा सा अंश इस प्रकार हैः-

''सीबीआई की पहली रिपोर्ट के पृष्ठ 22 से लेकर 27 तक में बलात्कार एवं लज्जाभंग और छेड़छाड़ का विवरण दिया गया है। इसके समर्थन में संलग्नक भी दिए गए हैं। प्रथम रिपोर्ट के साथ लगे संलग्नक 6 भागों में तथा 391 पृष्ठों में हैं। इसके भाग तीन में गवाहों के बयान दर्ज हैं। इस रिपोर्ट के भाग तीन में बलात्कार एवं लज्जाभंग की शिकार महिलाओं और प्रत्यक्ष दर्शियों के बयान शामिल है। जिन महिलाओं के साथ बलात्कार एवं लज्जाभंग हुई थी उन्होंने जांचकर्ताओं से निवेदन किया कि लोकलाज के डर से वे अपना नाम सार्वजनिक नहीं करना चाहती हैं।

उनका यह भी कहना था कि उन्होंने घटना वाली रात के अपने वस्त्र वहीं कहीं फेंक दिए थे। उन्होंने इस मामले का ट्रायल भी सार्वजनिक तौर पर करने के बजाय कैमरे में करने का अनुरोध किया और अदालत भी यह उचित नहीं समझती कि उन बलात्कार की शिकार महिलाओं और गवाहों के नाम सार्वजनिक हों। बसों और गन्ने के खेतों में लूटीं महिलाओं की अस्मत उस रात पुलिस के बहसीपन पर सीबीआई द्वारा अपनी रिपोर्ट में दिए गए विवरण का एक छोटा सा अंश इस प्रकार हैः-

''...इन बसों से यात्रा कर रहीं 17 आन्दोलनकारी महिलाओं ने आरोप लगाया कि उस रात पुलिसकर्मियों ने लाठी चार्ज करने के बाद उनसे छेड़छाड़ की और बड़ी संख्या में आन्दोलनकारियों को गिरफ्तार कर लिया। लाठीचार्ज के बाद रैली वाले इधर-उधर तितर वितर हो गए थे। कुछ महिलाओं ने बताया कि कुछ पुलिसकर्मियों ने बसों में चढ़ कर महिलाओं से छेड़छाड़ की। कुछ ने कहा कि उनके साथ पुलिसकर्मियों द्वारा बलात्कार किया गया। इनमें से 3 महिलाओं ने कहा कि उनके साथ बसों के अन्दर ही बलात्कार किया गया, जबकि 4 अन्य का आरोप था कि उन्हें बसों से खींच कर नजदीक गन्ने के खेतों में ले जाया गया और वहां बलात्कार किया गया। ये सारी वारदातें मध्य रात्रि 12 बजे से लेकर 2 अक्तूबर सुबह 3 बजे के बीच हुईं।

महिलाओं ने पुलिसकर्मियों पर उनके हाथों की घड़ियां, गले की सोने की चेन और नकदी लूटने का आरोप भी लगाया। इस काण्ड और जांच के बीच काफी समय गुजर जाने के कारण बलात्कार और लज्जाभंग के आरोपों की पुष्टि में कोई मेडिको-लीगल साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए। सीबीआई से 37 चश्मदीद गवाहों ने महिलाओं से छेड़छाड़ की बात स्वीकार की। कुछ पत्रकार, जो कि घटना के समय वहां मौजूद थे तथा निकटवर्ती एक होटल के मालिक ने बताया कि पुरुष पुलिसकर्मी आन्दोलनकारी तलाशी के नाम पर महिलाओं के शरीर टटोल रहे थे। रामपुर तिराहे के निकटवर्ती गावों के 70 चश्मदीद गवाहों ने बताया कि महिला आन्दोलनकारियों ने उन्हें पिछली रात उनके साथ हुई छेड़छाड़ और अशोभनीय पुलिस व्यवहार की जानकारी दी थी।...''

जयंती पटनायक के नेतृत्व में राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम ने भी इस जघन्य कांड की जांच की। पुस्तक ''उत्तराखण्ड का नवीन राजनीतिक इतिहास'' में दिए गए विवरण के अनुसार इस टीम में अध्यक्ष के अलावा पद्मा सेठ, बोनोज सेनापति और श्रीमती इंदिरा मिश्रा शामिल थीं। इस टीम ने गोपेश्वर, श्रीनगर, टिहरी और देहरादून को 13 से 16 अक्तूबर 1994 तक दौरा किया और एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जिसमें 1 और 2 अक्तूबर 1994 की रात्रि को मुजफ्फरनगर के रामपुर तिराहा की उस भयानक रात के विवरण का एक छोटा सा अंश इस प्रकार हैः- ''रामपुर तिराहे पर अंधेरे में खड़ी बसों के अन्दर धुप अंधेरे में महिलाएं सांस रोके बैठी थीं। महिलाओं की सुरक्षा की दृष्टि से बसों के अंदर की लाइटें बंद कर दी गई थीं। इस सन्नाटे के बावजूद पुलिस द्वारा आंसू गैस छोड़ा गया। आतंकित महिलाएं खुली हवा में सांस के लिए बसों से बाहर निकलीं तो उन्हें गन्ने के खेतों की ओर खींच कर ले जाया गया जहां उनकी साड़ियां खींची गईं। एक महिला ने बताया कि पुलिस की लाठियों से बचने के लिए जैसे ही वह भागी तो उसका पैर एक साड़ी से उलझ गया। वहां पर कुछ कपड़े पड़े थे।

स्पष्टतया ये कपड़े रैली में शामिल उन महिलाओं के थे जिन्हें निर्वस्त्र कर दिया गया होगा। उस महिला ने साड़ी से अपना पैर छुड़ाया और फिर वहां से भाग सकी। बदहवासी में वह एक नाले में गिर गई जहां उसके कपड़े कीचड़ में लतपथ हो गए। वह किसी तरह ऋषिकेश पहुंचने में कामयाब हो गई। वह बदहवासी में ही ऋषिकेश पहुंची थी इसलिए लोगों ने पूछा कि आखिर ऐसा क्या हो गया। उसकी दशा को देख कर ही पता चल रहा था कि कुछ अनहोनी हो चुकी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटनास्थल पर कुछ महिलाऐं केवल पेटीकोट में बदहवास भाग रही थीं। पुलिसकर्मी महिलाओं को मां बहन की गालियां दे रहे थे तथा लड़कियों को हरामी कह रहे थे। यही नहीं पुलिसकर्मी लड़कियों को बलात्कार की धमकियां भी दे रहे थे।

ब्लॉग

लोकसभा चुनाव 2024: लंबे खिंचते चुनाव और सत्ता में वापसी की संभावना का सांख्यिकीय सच!

अजय बोकिल

चुनाव आयोग द्वारा 18 वीं लोकसभा के निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित होने के साथ ही विपक्ष इस 7 चरणीय चुनाव कार्यक्रम पर सवाल उठा रहा है। संदेह का आधार यह है कि आज जब प्रौद्योगिकी इतनी उन्नत हो गई है तब समूचे देश में ढाई महीने तक चुनाव प्रक्रिया चलाने का क्या मतलब है? 81 दिन तक आचार संहिता लगाकर विकास कार्यक्रमों पर इतने लंबे ब्रेक का क्या औचित्य है? क्या इसके पीछे किसी खास राजनीतिक दल को अपनी चुनावी किलेबंदी पुख्ता करने की मोहलत देते जाने का छुपा मंतव्य है या चुनाव निष्पक्षता से कराने का आग्रह है? राजनीतिक हलको में यह सवाल भी संजीदगी से तैरने लगा है कि चुनाव प्रक्रिया के लगातार लंबा खिंचने के साथ देश क्या अघोषित रूप से उस अध्यक्षीय प्रणाली की ओर बढ़ रहा है, जिसमें जनता राजनीतिक दल से ज्यादा उसके चेहरे पर पर दांव लगाना ज्यादा बेहतर समझती है। प्रकारांतर से यह नए किस्म का अधिनायकवाद अथवा राजतंत्र है, जो गुजरता तो लोकतांत्रिक प्रोसेस से है, लेकिन उसका मंतव्य व्यक्ति केन्द्रित सत्ता को वैधता प्रदान करना है। क्या यह चुनाव भी विचारधारा, कार्यक्रम, प्राथमिकताओं और विकास जैसे अहम मुद्दों के परे जाकर एक चेहरे को ध्यान में रखकर ही लड़ा जा रहा है? और यह भी कि किसी चेहरे विशेष पर लोकमानस की अति निर्भरता किस सत्तातंत्र की ओर इशारा करती है? सात दशकों के लोकतंत्र के बावजूद क्या भारतीय मतदाता की जड़ें अभी भी व्यक्ति आराधन से से ही सिक्त हैं। बदलाव केवल इतना है कि वंशवाद की सीमाएं लांघ कर वह अब चमत्कारी चेहरे पर केन्द्रित हो गई है।

अब पहला सवाल चुनाव प्रक्रिया के असाधारण रूप से लंबा खिंचने का, इस देश में सबसे लंबा चुनाव 1951-52 में हुआ पहला आम चुनाव था, जो लगभग 4 महीने तक 68 चरणों में हुआ था। तब देश में कुल मतदाता 17.32 करोड़ थे, जिनमें से मात्र 44.87 लोगों ने ही हिस्सा लिया था। वो चुनाव लगभग एक तरफा था। नेहरू गांधी की आंधी थी। चुनाव कुल 489 सीटों के लिए हुआ था और इसमें से कांग्रेस ने 364 सीटें जीत ली थीं।

मुख्य विपक्ष कम्युनिस्ट और समाजवादी पार्टी थे, जिन्हें कुल 28 सीटें मिली थीं। चुनाव लंबा खिंचने का बड़ा कारण शायद यह था कि समूचे देश में पहली बार आम चुनाव हो रहे थे (लोकसभा व विधानसभा के चुनाव एक साथ हुए थे और 89 निर्वाचन क्षेत्रों में दोहरी जनप्रतिनिधित्व प्रणाली थी। यानी एक ही सीट से सामान्य और आरक्षित वर्ग का प्रत्याशी चुना था। दोनो के लिए अलग अलग मतपेटियां रखी जाती थीं)। पूरे देश में 1 लाख 96 हजार से ज्यादा मतदान केन्द्र थे, इनमे से 25 हजार 527 महिलाओं के लिए आरक्षित थे। लेकिन तब भी चुनाव परिणामों, चुनाव प्रक्रिया के दीर्घावधि होने तथा ऐसा करने के पीछे किसी दल को लाभ पहुंचाने की मंशा पर कोई सवाल नहीं उठे थे। तब विपक्ष बेहद कमजोर था। उस आम चुनाव में दो मुख्य विपक्षी पार्टियों ने जितनी सीटें जीती थीं, उनकी संख्या आज सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस के सांसदों की संख्या की तुलना में लगभग आधी थी। इसके पांच साल बाद 1957 में हुए आम चुनाव (लोस के साथ साथ विस चुनाव भी) चुनाव आयोग ने मात्र 20 दिनो में सम्पन्न करा दिए। कम अवधि में चुनाव कराने के बाद भी कांग्रेस ही 371 सीटें जीतकर सत्ता में लौटी। यह चुनाव भी मुख्य रूप से प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की छवि और देश के नेहरूवादी विकास मॉडल को मिला जनसमर्थन था। नेहरू सरकार के मुख्य आलोचक कम्युनिस्ट और समाजवादी थे, जिन्हें चुनाव में कुल 46 सीटें मिली थीं। 1962 तक आते- आते देश में स्वप्निल नेहरूवादी सोच की आभा घटने लगी। बेरोजगारी, अशिक्षा, महंगाई, क्षेत्रवाद जैसे मुद्दे सिर उठाने लगे। फिर भी कांग्रेस आम चुनाव में 361 सीटें जीतने में कामयाब रही। यह चुनाव भारत पर चीनी हमले के 8 माह पूर्व हो चुके थे। अगर चुनाव उस चीनी हमले में भारत की करारी हार के बाद हुए होते तो चुनाव परिणाम क्या होता, इसकी सिर्फ कल्पना ही की जा सकती है। अलबत्ता युद्ध में जीत अथवा शत्रु पर प्रत्याक्रमण सत्तारूढ़ दल के लिए हमेशा फायदेमंद रहे हैं। पं. जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद लाल बहादुर शास्त्री पीएम बने और उनके कार्यकाल में 1965 के दौरान हुए भारत-पाक युद्ध में भारतीय सेना की सफलता ने कांग्रेस को सहारा दिया। 1967 के आम चुनाव में कांग्रेस किनारे पर ही सही, 283 सीटों के साथ वापस सत्ता में आ गई। दूसरी तरफ देश राजनीतिक करवट बदल रहा था। गैर कांग्रेसवाद की भावना जोर पकड़ने लगी थी। विपक्षी पार्टियां जिनमें वामपंथी प्रमुख थे, मजबूत होने लगे थे तो दूसरी तरफ हिंदूवादी जनसंघ जैसी पार्टियों के लिए भी स्पेस बनने लगा था। धर्मनिरपेक्षता और धर्मसापेक्षता के तेवर तीखे होने लगे थे। अंतरराष्ट्रवाद और राष्ट्रवाद में टकराव तेज होने लगा था। साथ में गरीबी, महंगाई और समाजवादी सोच के प्रश्न तो थे ही। इसी दौरान श्रीमती इंदिरा गांधी ने समाजवादी और वामपंथ की ओर झुका कार्ड खेलना शुरू किया। उन्होंने पुराने कांग्रेसियों को ठिकाने लगाते हुए पार्टी तोड़ी और मध्यावधि चुनाव करवाए। इसी के साथ देश में 15 साल से चली आ रही 'एक देश, एक चुनाव' की अघोषित परंपरा भी टूट गई। इंदिराजी ने गरीबी हटाओ का नारा दिया। देश में चुनाव फिर व्यक्ति केन्द्रित हो गया। इंदिराजी की नई 'इंदिरा कांग्रेस' नए चुनाव चिन्ह गाय बछड़ा के साथ 352 सीटें जीतकर सत्ता में लौटी। दूसरी तरफ पहली बार कम्युनिस्टो को पीछे छोड़ते हुए विपक्ष में हिंदुत्ववादी जनसंघ ने 35 सीटें जीतकर संकेत दे दिया कि आने वाले पांच दशकों की राजनीति की दिशा क्या होने वाली है। इंदिराजी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर ऐतिहासिक काम किया। इसका लाभ कांग्रेस को 1972 में राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में हुआ। अधिकांश जगह कांग्रेस जीती। इसी के साथ उनमें सत्ता का घमंड भी घर कर गया। विपक्ष को कुचलने के लिए उन्होंने देश में आपातकाल लगा दिया। कम्युनिस्टों का एक धड़ा इस मामले में उनके साथ था।

इसी इमर्जेंसी में इंदिरा गांधी की सरकार ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए भारतीय संविधान की उद्देशिका में संशोधन कर उसमें 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द भी जुड़वा दिए। जबकि आपातकाल में समूचा विपक्ष जेल में था। बाहरी और आंतरिक दबाव में देश में 1977 में आम चुनाव कराए गए। यह आम चुनाव प्रक्रिया महज 5 दिनों में सम्पन्न हो गई। 6 दलों को मिलाकर बनी जनता पार्टी, जिनमें भाजपा का पूर्ववर्ती जनसंघ भी था, 295 सीटें जीतकर सत्ता में आई। उसे भारत की 'दूसरी आजादी' कहा गया। लेकिन यह आजादी ज्यादा नहीं टिकी। नेताओं की महत्वाकांक्षा की अंतर्कलह और राजनीतिक दिशाहीनता ने फिर से इंदिरा गांधी की सत्ता में वापसी का रास्ता साफ किया। इंदिरा गांधी ने 1980 के चुनाव में 353 सीटें जीत कर सत्ता में वापसी की। यह चुनाव प्रक्रिया भी मात्र 2 चरणों में पूरी हो गई। जबकि वोटरों की संख्या 1952 की तुलना में दोगुनी भी ज्यादा हो चुकी थी। चुनावी चरणों के बढ़ने का सिलसिला 1984 से तेज हुआ, जब देश में आतंकवाद बढ़ने लगा। सुरक्षा सम्बन्धी समस्या और मतदान केन्द्रों की बढ़ती संख्या इसका बड़ा कारण थे। 1984 का आम चुनाव 1 महीने में 4 चरणो में हुआ। उधर विपक्ष के मजबूत होने से चुनाव ज्यादा कर्कश, बाहुबल और धनबल केन्द्रित होते चले गए। चुनाव से पहले इंदिरा गांधी की हत्या हो गई। देश में सहानुभूति की लहर चली और कांग्रेस 414 सीटें जीत गई। (शायद इसी रिकॉर्ड की बराबरी का लक्ष्य मोदीजी ने अब एनडीए के लिए रखा है)। देश के सत्ता इंदिराजी के बेटे राजीव गांधी के हाथ आई। वो परिस्थितिवश पीएम बने थे। बहुत ज्यादा राजनीतिक व जमीनी संघर्ष का अनुभव और सियासी चतुराई उनमें नहीं थी। 1989 चुनाव वो कांग्रेस को नहीं जितवा सके। उधर वोटरों का धार्मिक और जातीय आधार पर ध्रुवीकरण और तेज हो गया। अयोध्या में राम मंदिर एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया। यह चुनाव भी मात्र दो चरणों में सम्पन्न हो गया। 1991 के चुनाव में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के रूप में तो उभरी पर स्पष्ट बहुमत से दूर रही। राजीव गांधी की हत्या के बाद पी.वी. नरसिंहराव को पीएम बनाया गया। राव ने देश में समाजवादी अर्थ व्यवस्था को तिलांजलि देते हुए आर्थिक उदारीकरण को हवा दी। इससे भारत आर्थिक गर्त में जाने से बच गया, लेकिन देश की राजनीति हिंदुत्ववाद और जातिवाद में बंट गई। समाजवादी विचार हाशिए पर चला गया।

यह चुनाव प्रक्रिया भी 25 दिनो में सम्पन्न हुई। 1996 के बाद गठबंधन राजनीति और सरकारें गिरने गिराने का दौर शुरू हुआ। बीसवीं सदी के आखिरी दशक में देश ने चार आम चुनाव झेले। 1999 के आम चुनाव से चुनाव प्रक्रिया लंबी खिंचने लगी। टी.एन. शेषन जैसा सख्त चुनाव आयुक्त होने के बाद भी चुनाव प्रक्रिया 55 दिनो में पूरी हुई। देश में पहली बार हिंदू और राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रतिनिधि के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने। देश में वोटरों की संख्या 1951 की तुलना में बढ़कर 3 गुना यानी 61.95 करोड़ हो चुकी थी। तमाम अच्छाइयों के बाद भी 2004 में अटलजी के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन चुनाव हार गया और सत्ता कांग्रेस नीत यूपीए गठबंधन के हाथ आई। चुनाव प्रक्रिया 4 चरणो में डेढ़ माह में सम्पन्न हुई। वामपंथी फिर एक बार बड़ी ताकत के रूप में उभरे। 2009 की आम चुनाव प्रक्रिया पांच चरणों में सवा माह के दौरान पूरी हुई। फायदा सत्तारूढ़ यूपीए सरकार को हुआ। उसकी जीत का कारण आम आदमी की आर्थिक बेहतरी के प्रयासों को माना गया। इस बीच राम मंदिर और जातिवादी राजनीति के खिलाफ हिंदू एकता की भाजपा और संघ की रणनीति पकने लगी थी। हिंदुत्ववादी राजनीति की जमीन तैयार हो गई थी। 2014 के चुनाव में भाजपा व संघ ने गुजरात के सीएम नरेन्द्र मोदी को बतौर पीएम प्रत्याशी प्रोजेक्ट किया और मोदी भाजपा को 116 से सीधे 282 पर यानी पूर्ण बहुमत पर ले आए। यह चुनाव प्रक्रिया भी करीब सवा माह में 9 चरणों में पूरी हुई थी। 2019 के चुनाव में मोदी और भाजपा ने 303 का आंकड़ा छू लिया। इसमें पुलवामा कांड और पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक का भी बड़ा योगदान रहा। मोदी दमदार नेता के रूप में स्थापित हो गए। यह चुनाव प्रक्रिया 7 चरणों में पूरी हुई। इस बार तो वोटरों की संख्या 97 करोड़ और मतदान केन्द्रों की तादाद भी 10 लाख से ज्यादा है। हालांकि चुनाव आयोग चाहता तो पूरी प्रक्रिया महीने भर में समेट सकता था। लेकिन यह समझा जा सकता है कि केवल चुनाव में चरणों का बढ़ना या घटना ही सत्ता में वापसी की गारंटी नहीं है।

अजब गजब

ऐसा देश जहां कोई चीज खोती नहीं, अगर खो भी गई तो मिल जाती है तुरंत

पूरी दुनिया में अगर कहीं खोया और पाया यानि लास्ट एंड फाउंड सिस्टम सबसे मजबूत और असरदार है तो वह जापान है, जहां आमतौर पर तो कोई चीज खोयेगी नहीं और अगर हो भी गया तो उनका सिस्टम बहुत जल्दी इसे खोजकर आपके पास तक पहुंचा देगा।

जापान ऐसा देश है, जहां बहुत सी बातें इतनी निराली और शानदार हैं कि हर देश को सीखनी चाहिए। इसमें सबसे खास बात अगर सफाई है तो जबरदस्त अनुशासन भी। जापान के कई सिस्टम हैरत में डाल देते हैं। इन्हीं में एक है यहां का खोया पाया तंत्र दुनिया में ज्यादातर जगहों पर अगर आपका पर्स और फोन खो जाता है तो मिलने की उम्मीद बहुत कम होती है। लेकिन जापान में ऐसा हो ही नहीं सकता कि ऐसी चीज मिले नहीं। चाहे आप टैक्सी में फोन छोड़ दें या फिर कहीं ब्रीफकेस, बेशक नोटों से भरा पर्स ही कहीं भूल आए हों तब भी ये आपको सही सलामत मिल जाएगा। हर साल 12.6 करोड़ जापानी अपना कोई ना कोई सामान खो ही देते हैं लेकिन ज्यादातर चीजें मिल ही जाती हैं। इसके लिए जापान का तंत्र बहुत शानदार काम करता है।

जापान का ये सिस्टम इस तरह काम करता है कि दुनियाभर के देशों के लोग हैरान हो सकते हैं। इस प्रक्रिया की शुरुआत स्थानीय कोबन से होती है जो छोटे से एक या दो कमरे के घर जैसे पुलिस केबिन जैसा होता है। यह जापान की कानून लागू करने वाली सामुदायिक आधारित प्रवृत्ति है। कोबन बहुत सफल हैं। पूरे जापान में 6300 कोबन या छोटे पुलिस स्टेशन हैं।

जापान की राजधानी टोक्यो जैसे भीड़ भाड़ वाले महानगर में साल 2018 में 41 लाख गुमशुदा चीजें पुलिस के हवाले की गई थी। रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले कुछ सालों से तीन चौथाई मामलों में लोगों को चीजें वापस मिल रही हैं। टोक्यो में अधिकारी कोबन में अपनी रिपोर्ट में मिली हुई गुमशुदा वस्तु और लाने वाले की जानकारी का रिकॉर्ड लिखते हैं। मिली हुई वस्तु को टोक्यो मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग को भेजा जाते हैं। वहां इसको लॉस्ट एंड फाउंड सेंटर पर रख दिया जाता है।

जापान में एक बार मिली हुई वस्तु जब लास्ट एंड फाउंड सेंटर यानि कोबन तक पहुंच जाती है तो उसकी पड़ताल की जाती है जिससे उसके मालिक के बारे में कुछ जानकारी मिल सके। सेंटर की एक लॉस्ट एंड फाउंड वेबसाइट भी काम करती है, जहां तुरंत इन चीजों की सूचना फोटो के साथ डाल दी जाती है। हां अगर तीन महीने तक सही मालिक नहीं मिलता है तो ये पाई हुई वस्तु को उस व्यक्ति को दे दी जाती है, जिसे ये मिली थी। या फिर इन्हें नगरपालिका को दे दिया जाता है।

जापानमें रेलवे स्टेशन बहुत व्यस्त होते हैं। इन रेलवे स्टेशनों पर भी गुमी हुई चीजों देने के लिए अलग अलग स्थानों पर व्यवस्थाएं की गई हैं। जापान की संस्कृति का भी इस तंत्र में एक बड़ा योगदान है। वहां बच्चों को नौतिक शिक्षा दी जाती है कि कोई भी खोई हुई लावारिस चीजे मिले तो उसे तुरंत पुलिस को दे दें।

जापान के संपत्ति कानून भी देश की खोई हुई वस्तुओं को लौटाने में मददगार रहा है। क्या यह मॉडल दूसरे देशों में लागू हो सकता है, इसका सीधा जवाब मुश्किल है क्योंकि इसके लागू करना आसान नहीं है। इसमें सांस्कृतिक और नौतिक पक्ष की भूमिका ज्यादा अहम है जिसे सख्ती से लागू नहीं किया जा सकता है।

ऑनर किलिंग की कहानी रच पीड़ितों को ही अमरोहा पुलिस ने भेजा था जेल, अब मुआवजे का आदेश

आर्यावर्त क्रांति

अमरोहा। मानवाधिकार आयोग के बाद अब हाईकोर्ट ने भी फर्जी ऑनर किलिंग में फंसाकर जेल भेजे गए पिता-पुत्र व अन्य लोगों को मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। जिंदा किशोरी की हत्या के आरोप में जेल काटने वाले पिता, भाई और रिश्तेदार को पहले भी एक लाख रुपये का मुआवजा मिल चुका है। जिसमें दो लोग वह भी शामिल हैं, जो किशोरी के अपहरण के आरोप में जेल गए थे। इन सभी लोगों को मानवाधिकार आयोग के निर्देश पर करीब नौ महीने पहले शासन ने एक-एक लाख रुपये का मुआवजा दिया जा चुका है।यह पूरा प्रकरण आदमपुर थानाक्षेत्र के एक गांव का है।

यहां रहने वाले किसान की 15 वर्षीय बेटी छह फरवरी 2019 को खेत से अचानक गायब हो गई थी। 10 फरवरी 2019 को किशोरी के भाई ने पांच लोगों के खिलाफ अपहरण की एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में नामजद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। बावजूद इसके किशोरी की बरामदगी नहीं हो सकी थी। मुकदमे की विवेचना तत्कालीन इंस्पेक्टर अशोक कुमार शर्मा कर रहे थे। उन्होंने जेल भेजे गए दोनों नामजद आरोपियों को निर्दोष बताते हुए रिहा करा दिया था। लेकिन, बाद में षड्यंत्रकारी पुलिस ने बड़ा कारनामा कर डाला था।

28 दिसंबर 2019 को किशोरी के पिता, भाई और एक रिश्तेदार को किशोरी का हत्यारा बताकर जेल भेज दिया था। तर्क दिया था कि किशोरी के गलत संगत में पड़ने पर परिवार ने इज्जत बचाने के लिए उसकी गोली मारकर हत्या कर दी और बाद में शव गंगा में बहा दिया। सात अगस्त 2020 को किशोरी के जिंदा होने की जानकारी सामने आ गई। किशोरी अपने गांव से आठ किलोमीटर दूर प्रेमी के गांव में सुरक्षित मिली। खुलासा हुआ कि प्रेमी के साथ शादी करके वह पत्नी के रूप में रह रही थी। इसका पता चलते ही पुलिस ने यू-टर्न लेकर प्रेमी से किशोरी के पति बने युवक को अपहरण और नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। दूसरी ओर यह सच अदालत तक पहुंचा तो किशोरी के पिता, भाई और रिश्तेदार को जेल से रिहाई मिली थी।

अदालत की कड़ी टिप्पणी के बाद विवेचना से लेकर खुलासे तक में शामिल रहे इंस्पेक्टर अशोक कुमार शर्मा समेत ग्यारह पुलिस कर्मियों के खिलाफ के मुकदमा दर्ज हुआ था। इस मुकदमे की विवेचना संभल क्राइम ब्रांच कर रही है।

इन पुलिसकर्मियों के खिलाफ दर्ज हुआ था केस

जिंदा किशोरी की हत्या का षड्यंत्र रचने वाले इंस्पेक्टर अशोक कुमार शर्मा, एसआई मोहम्मद आरिफ, एसआई राकेश कुमार, एसआई मनोज कुमार, एसआई विनोद कुमार त्यागी, सिपाही भूपेंद्र सिंह, सिपाही कृष्णवीर सिंह, सिपाही अनिरुद्ध, सिपाही दीपक कुमार, महिला सिपाही अपेक्षा तोमर व महिला सिपाही निधि के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। नामजदों में शामिल दरोगा विनोद कुमार त्यागी के सेवानिवृत्त हो जाने के कारण शेष दस पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया था।

इस मामले से जुड़े तथ्यों पर गहनता से अध्ययन किया जाएगा। शासन को भी पत्राचार किया जाएगा। विधिक राय लेने के बाद अग्रिम प्रक्रिया की जाएगी। अभी पूरा मामला हमारे भी संज्ञान में नहीं है। पुलिस विभाग से भी जानकारी ली जाएगी।

-राजेश कुमार त्यागी, जिलाधिकारी

इंस्पेक्टर के खिलाफ हुए थे गैर जमानती वारंट

जीवित किशोरी को मृत दर्शाकर पिता, भाई और रिश्तेदार को ऑनर किलिंग में जेल भेजने वाले तत्कालीन आदमपुर इंस्पेक्टर (बरेली में तैनात) अशोक कुमार शर्मा के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हुए थे। इसके बाद भी वह हाजिर नहीं हुए। इतना ही नहीं न्यायालय ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अब संभल के क्राइम ब्रांच इंस्पेक्टर व मुकदमे के विवेचक हाजिर नहीं होने पर न्यायालय से उनकी कुर्की की अनुमति लेने की तैयारी में है।

पिता को 11, भाई को 9 और रिश्तेदार को जेल में काटने पड़े थे 15 महीने

लापरवाह पुलिस कर्मचारियों की वजह से निर्दोष पिता को अपने जीवन के करीब 11 माह, भाई को करीब 9 माह और रिश्तेदार को करीब 1 वर्ष 3 महीने जिला कारागार में गुजारने पड़े थे।

पीड़ित बोले: हमारी आर्थिक स्थिति को देखकर डीएम सुनिश्चित करें मुआवजा

बेटी की हत्या के झूठे आरोप में पंद्रह माह जेल में बंद रहे पिता का कहना है कि हाईकोर्ट से मुआवजे के संबंध में हुए आदेश से संतुष्ट हैं। हमारी आर्थिक स्थिति को देखकर डीएम मुआवजा सुनिश्चित करें। जो भी वह मुआवजा देंगे उसे स्वीकार किया जाएगा।

ऑनर किलिंग के झूठे मुकदमे में जेल काटने वाले निर्दोष पिता के आंसू छलक आए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने बेटी की हत्या कबूल कराने के लिए तीन दिन तक थर्ड डिग्री दी थी। पेट्रोल छिड़ककर शरीर को जलाया और करंट के झटके दिए थे।

गर्भवती पुत्रवधू और अन्य परिजनों को बुरी तरह पीटा था। उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट ने मुआवजे का आदेश दिया है। डीएम इसका निर्धारण करेंगे। इस मुकदमे बाजी के चक्कर में छह बीघा जमीन बिक गई। ट्रैक्टर, पशुओं समेत घर बहुत सामान बिक गया था।

शारीरिक एवं मानसिक विकारों का मुख्य कारण मादक द्रव्यों का सेवन : प्रो. शंखवार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में नार्का कोऑर्डिनेशन (मादक पदार्थ) से संबंधित विषय में जनमानस में जागरूकता लाने हेतु नशा मुक्ति पर युवाओं में बढ़ती मादक द्रव्य व्यसन की प्रवृत्तिः समस्याएं एवं समाधान विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शुक्रवार को आयोजित किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस. एन शंखवार, निदेशक, चिकित्सा विज्ञान संस्थान आइ.एम.एस. काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने कहा कि आज युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की प्रवृत्ति में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है। इसके विभिन्न कारणों पर उन्होंने अत्यंत सरल सहज तथा सारगर्भित तरीके से बताया कि कैसे लोग नशे के आदी हो रहे हैं तथा वह कैसे लोगों के शारीरिक मानसिक स्तर को प्रभावित कर रहा है।<

एक एक कर सबका नंबर आएगा, सरकार के खिलाफ बोलना अपराध जैसा : मौलाना तौकीर

आर्यावर्त क्रांति

बरेली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार देश के संसाधनों को लूटने का काम कर रही है। सरकार के खिलाफ बोलना जैसे अपराध बना दिया गया है। झूठे मुकदमे लगा देना। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया गया।

मौलाना ने कहा कि मैंने पहले भी कहा था, एक-एक कर सबका नंबर आएगा। हेमंत सोरेन भी गिरफ्तार नहीं किए जाते, अगर पूरा विपक्ष एकजुट होता। विपक्ष के लोग सड़क पर आकर गिरफ्तारी देते। बरेली में अपने आवास पर बृहस्पतिवार रात को प्रेसवार्ता के दौरान मौलाना मीडिया पर भी भड़के। कहा कि लोकतंत्र में सबसे अहम स्तंभ पत्रकारिता है, लेकिन आज सरकार से सवाल नहीं करती है, सरकार की नीतियों पर जो सवाल करते हैं, उनसे सवाल पूछे जाते हैं।

बरेली दंगा प्रकरण पर ये कहा

बरेली दंगा प्रकरण पर उन्होंने कहा कि 2010 में मेरी पार्टी से हिंदू समाज के लोग भी जुड़ रहे थे। पार्षद भी बने। इससे परेशान होकर भाजपा ने साजिश रचकर दंगा कराया। मैंने भाईचारे का पैगाम देने के लिए जुलूस-ए-मोहम्मदी रामबरात के एक दिन बाद निकालने को कहा था। वे लोग जुलूस-ए-मोहम्मदी और रातबरात को लेकर दंगा कराना चाहते थे। नाकाम होने पर मुझे पर आरोप लगा दिया। उस दंगे के असल आरोपी आज तक गिरफ्तार नहीं हुए हैं। तौकीर रजा ने कोर्ट पर टिप्पणी करते हुए स्थानीय नेताओं पर गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि समन की भाषा से यह साफ जाहिर था कि सांप्रदायिक शक्तियां प्रभावी हो गई हैं। कहा कि मैं अपने देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए संघर्ष करता रहूंगा।

सरकार और मीडिया पर भी भड़के मौलाना

मौलाना तौकीर रजा ने सरकार पर भी सवाल उठाए कि वह कार्यपालिका के जरिये देश में बेइमानी और सांप्रदायिकता फैलाने का काम कर रही है। वह लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारिता को भी बर्बाद करने पर तुली है। लोकतंत्र के आखिरी किले न्यायपालिका पर भी दबाव बनाने की कोशिश कर रही है।

डरी हुई भाजपा कांग्रेस का खाता फ्रिज कर उसे चुनाव से रोकना चाहती है : प्रदीप मिश्र

प्रयागराज। कांग्रेस पार्टी ने उसके सभी खातों को फ्रिज करने को नरेंद्र मोदी सरकार के डर की परिणति बताया है। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन ने कहा कि इसके खिलाफ पार्टी पूरे देश मे अभियान चलाएगी। उन्होंने इलेक्टोरल बांड को आजाद भारत का सबसे बड़ा घोटाला बताते हुए कहा कि इसे 'धमकी दो चंदा लो और चंदा दो, धंधा लो' के उद्देश्य से मोदी सरकार लायी थी।

उन्होंने इसे डर - भय दिखा कर कंपनियों से वसूली का जरिया बताते हुए कहा कि इसका दूसरा तरीका कंपनियों को काम देने के एवज में घुस के रूप में सामने आया है। कांग्रेस अध्यक्ष में कहा कि कांग्रेस के खातों को सीज करने के पीछे सालों पुराने एक मामले को आधार बनाया गया है। जब कोई राजनैतिक पार्टी इनकमटैक्स के दायरे में नहीं आती तो इस आधार पर कांग्रेस की खातों को रोकना और कुछ नहीं नरेंद्र मोदी की हताशा है।

पुलिस ने आरोपी जावेद को कोर्ट में किया पेश, 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

आर्यावर्त क्रांति

बदायूं। बदायूं की बाबा कॉलोनी के दो बच्चों की हत्या के मामले में आरोपी जावेद को आज सीजेएम कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। आरोपी की पेशी के दौरान कोर्ट के बाहर पुलिस फोर्स तैनात रही। बता दें कि हत्या के आरोपी और मुठभेड़ में मारे गए साजिद के भाई जावेद ने बृहस्पतिवार को बरेली में नाटकीय ढंग से समर्पण किया था। बदायूं पुलिस उसे वहां से लेकर आई। पूछताछ में उसने कई चौंकाने वाली बातें बताई हैं।

सिविल लाइंस थाना क्षेत्र की बाबा कॉलनी में दो बच्चों की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। इसमें एक आरोपी साजिद पुलिस मुठभेड़ में मारा जा चुका है। दूसरा आरोपी जावेद फरार था। उसने बृहस्पतिवार को बरेली में सरेंडर किया। उसे दोपहर के समय बदायूं लाया गया।

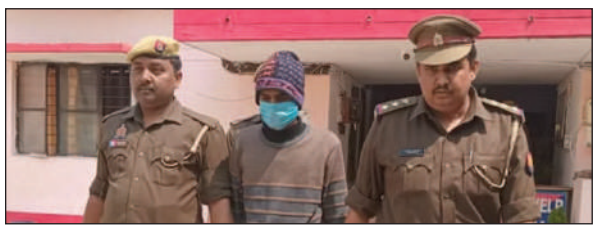

रातभर उसे सिविल लाइंस थाना में रखकर पूछताछ की गई। शुक्रवार को उसे सिविल लाइंस से कड़ी सुरक्षा के बीच कोर्ट में में लाया गया।

जावेद ने खुद को बताया निर्दोष

पुलिस के कब्जे में आने के बाद हुई पूछताछ में जावेद ने खुद को निर्दोष बताया। वहीं साजिद को हत्यारा बताया। एसएसपी आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि अब तक जावेद ने जो बताया है हम उसका क्रास चेक कर रहे हैं। निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए पुलिस हर पहलू को खंगालेगी। सिर्फ बयानों से ही जांच पूरी नहीं होगी। एसएसपी ने कहा कि जावेद के मुताबिक विनोद के घर के सामने दोनों भाई करीब चार पांच साल से सैलून की दुकान चला रहे थे। साजिद का विनोद कुमार के घर आना जाना था। 19 मार्च को उसकी तबीयत खराब थी। हालांकि उसने दुकान पर आकर बाल काटे थे। इसके बाद दोनों भाई सखानू चले गए। वहां जाकर उसने बताया कि आज चिकन खाने का मन कर रहा है। चलो शहर चलते हैं। इससे वह शहर आए। उसे दुकान पर छोड़कर साजिद बाजार चला गया। वह एक चाकू खरीदकर लाया था। शाम को साजिद उसे विनोद के घर ले गया था। उसने नहीं पता था कि वह क्यों जा रहा है। इस दौरान वह गेट पर खड़ा रहा। जब उसने देखा कि साजिद खून से सना चाकू लेकर जीना से उतर रहा है तो वह मौके से भाग गया था। बाद में पता चला कि साजिद का शेखपुर के जंगल में एनकाउंटर हो गया। एसएसपी ने बताया कि जरूरत पड़ने पर जावेद का नार्को टेस्ट भी कराया जाएगा। सीन रिक्रिएट भी किया जाएगा। मामले की तह तक जाने के लिए किसी भी तथ्य या बिंदु को नजर अंदाज नहीं किया जाएगा।

आत्मसमर्पण से पहले वीडियो वायरल

जावेद ने जिस अंदाज में खुद को पुलिस के हवाले किया वह काफी शातिराना है। उसे पकड़कर पुलिस को सौंपने वाले स्थानीय युवक इनाम के लालच में बदायूं गए हैं, चर्चा है कि वहां पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है।

लोग वीआईपी दर्शन से बचें... चंपत राय ने पैसे लेकर रामलला का दर्शन कराने पर दी प्रतिक्रिया

आर्यावर्त क्रांति

अयोध्या। पैसे लेकर रामलला के दर्शन कराने के मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि सुगम दर्शन व वीआइपी दर्शन से लोग बचें। अयोध्या में दर्शन के लिए गैर कानूनी काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन कार्रवाई करे।

चंपत ने कहा कि सुगम दर्शन व वीआईपी दर्शन दोनों प्रकार के दर्शनों से लोग अपने आप को बचाएं। इसके नाम पर अयोध्या में अनेक लोगों ने कुछ गैर कानूनी काम करने शुरू कर दिए हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि एक मेरे जानने वाले विदेश के नागरिक ने दो हजार रुपये देकर रामलला के दर्शन किए।

अयोध्या के किसी भी मंदिर में कभी भी पैसा लेकर दर्शन करने की कोई परंपरा नहीं रही है। भारत और भारत के बाहर रहने वाले श्रद्धालुओं से निवेदन है कि सामान्य जन के रूप में रामलला दर्शन करने की योजना बनाएं। एक घंटे में प्रवेश द्वार से लेकर निकास द्वार तक बहुत सहजता से भगवान के दर्शन होंगे।

अयोध्या में भीड़ को देखते हुए दर्शन के नाम पर पैसे वसूलने का खेल शुरू हुआ था जिसमें एसएसपी राज करण नैय्यर ने एक सिपाही उपेंद्र नाथ को निलंबित किया है और उसके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी है। उपेंद्र नाथ को पुलिस लाइन से संबद्ध किया गया है।

ये कैसा गठबंधन : डिंपल यादव के चुनाव प्रचार से दूर हुए कांग्रेस कार्यकर्ता, सामने आई ये वजह, सपा नेता भी हैरान

आर्यावर्त क्रांति

मैनपुरी। मैनपुरी में लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। कांग्रेस गठबंधन में शामिल है। प्रदेश में सपा के साथ कांग्रेस का गठबंधन है। मैनपुरी लोकसभा सीट सपा के खाते में है। सपा प्रत्याशी डिंपल यादव की बैठकों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गैर मौजूदगी से चर्चाएं चल रही हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह भी नजर नहीं आ रहा है।

वर्ष 2004 के चुनाव में कांग्रेस ने अंतिम बार अपना प्रत्याशी मैदान में उतारा था। उस समय सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव के सामने कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में सुमन चौहान ने चुनाव लड़ा था। उनको चौथे स्थान पर रहकर संतोष करना पड़ा था। बसपा प्रत्याशी अशोक शाक्य ने दूसरा और भाजपा प्रत्याशी रामबाबू कुशवाहा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया था। इसके बाद से कांग्रेस ने मैनपुरी लोकसभा सीट पर अपना प्रत्याशी नहीं उतारा है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा के खाते में मैनपुरी लोकसभा सीट आई है। सपा ने डिंपल यादव को प्रत्याशी भी घोषित कर दिया है। प्रदेश में सपा से गठबंधन होने के कारण कांग्रेस का मैनपुरी लोकसभा सीट पर प्रत्याशी चुनाव मैदान में नहीं होगा। सपा प्रत्याशी ने कार्यकर्ता बैठकें करके अपना जन संपर्क शुरू कर दिया है। सपा की बैठकों में कांग्रेस कार्यकर्ता नजर नहीं आ रहे हैं। कांग्रेस की गतिविधियां पार्टी कार्यालय पर होने वाली बैठकों तक ही सीमित हो गई हैं।

प्रत्याशी नहीं होने से होती निराशा

नाम नहीं छापने की शर्त पर पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं का कहना है कि पांच साल तक हम संगठन को मजबूत करते हैं। गठबंधन होने के कारण कांग्रेस का प्रत्याशी मैदान में नहीं होता है। इससे कार्यकर्ता निराश होता है। कार्यकर्ताओं को दूसरे दलों की बैठकों में सम्मान नहीं मिलता है। दूसरे दल से गठबंधन होने पर प्रत्याशी नहीं के कारण कार्यकर्ता के मायूस होने से संगठन कमजोर होता है।

ये बोले कांग्रेस के जिलाध्यक्ष

कांग्रेस जिलाध्यक्ष विनीता शाक्य ने बताया कि प्रदेश में कांग्रेस का सपा से गठबंधन है। इसी के चलते लोकसभा सीट पर कांग्रेस का प्रत्याशी नहीं है। जिले में कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शीघ्र ही सपा प्रत्याशी के समर्थन में अभियान चलाकर जन संपर्क शुरू करेंगे।

एयरफोर्स के जवान का फंदे से लटका मिला शव, 11 दिन पहले हुई थी शादी, जालंधर में थी तैनाती

आर्यावर्त क्रांति

प्रयागराज। भारतीय वायु सैनिक के जवान का शव फंदे से लटकता मिला है। वायु सैनिक दीपक हंडिया थाना क्षेत्र के रसूलपुर तलिया के रहने वाले थे। वर्तमान में उनकी तैनाती पंजाब के जालंधर में है। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई। शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

हंडिया थाना क्षेत्र के रसूलपुर निवासी वायु सैनिक दीपक कुमार यादव (24) शुक्रवार सुबह कमरे के अंदर मृत पाए गए। उनका शव फंदे से लटका मिला। परिजनों ने देखा तो आनन फानन में अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दीपक की जालंधर में तैनाती थी। रसूलपुर तलिया तारा निवासी अनिल कुमार यादव के दो बेटों में दीपक बड़े थे। उनके अलावा एक छोटी बेटी है। दीपक दो मार्च को ड्यूटी से घर आए थे। कुछ दिन पहले 11 मार्च को ही उनकी शादी हुई थी।

नियमित खाली नहीं... 30 होली विशेष भी फुल, रेलवे चलाएगा अब छह और विशेष ट्रेनें

आर्यावर्त क्रांति

बरेली। होली पर नियमित के साथ विशेष ट्रेनों में सीटें फुल होने और प्रमुख तिथियों में होली विशेष ट्रेनों में भी लगातार वेटिंग बढ़ रही है। इसको देखते हुए रेलवे ने बरेली होते हुए छह और होली विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय किया है। बृहस्पतिवार को इन ट्रेनों की समय-सारणी जारी कर दी गई है।

इससे पहले भी रेलवे बरेली होते हुए पूर्वांचल, बिहार, बंगाल और टनकपुर, लालकुआं से होकर राजस्थान, मध्य प्रदेश तक अलग-अलग तारीखों में 30 होली विशेष ट्रेनों के संचालन की घोषणा कर चुका है। होली विशेष इन ट्रेनों में 20 से 25 मार्च तक कंफर्म टिकट नहीं मिल रहा है।

कंफर्म टिकटों के लिए सबसे ज्यादा मारामारी पंजाब, दिल्ली, हरियाणा से यूपी के पूर्वांचल, बिहार

की ओर जाने वाली ट्रेनों में है। होली के मद्देनजर इन रूटों की ट्रेनों में पांच अप्रैल तक कंफर्म टिकट नहीं मिल रहे। रेलवे की ओर से 20 मार्च से एक अप्रैल तक जिन होली विशेष ट्रेनों का संचालन अलग-अलग तारीखों में किया जा रहा है उनमें भी कंफर्म टिकट नहीं मिल रहे। कई रूटों पर यात्रियों को कंफर्म टिकट न मिलने के कारण बसों का रुख करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा समस्या बरेली-दिल्ली और बरेली-लखनऊ के बीच नियमित चलने वाले यात्रियों को हो रही है।

ये गाड़ियों चलाई जाएंगी

04538 चंडीगड़-कटिहार होली विशेष ट्रेन 23 मार्च को शाम 7:17 बजे चंडीगढ़ से चलने के बाद अंबाला कैंट, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, मुरादाबाद होते हुए रात 2:17 बजे बरेली आएगी। यहां से शाहजहांपुर, सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, छपरा, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, होते हुए 24 मार्च को रात 10:03 बजे कटिहार पहुंचेगी। वापसी में 04537 कटिहार-चंडीगढ़ होली विशेष 25 मार्च को कटिहार से सुबह 4 बजे चलने के बाद रात 1:28 बजे बरेली आएगी और 26 अप्रैल को सुबह 9:20 बजे चंडीगढ़ पहुंचेगी।

04540 अंबाला कैंट-कटिहार होली विशेष ट्रेन 21 मार्च को रात 8:20 बजे अंबाला कैंट से चलने के बाद यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, मुरादाबाद होते हुए रात 2:25 बजे बरेली आएगी। यहां से शाहजहांपुर, सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, छपरा, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, होते हुए 22 मार्च को रात 11:45 बजे कटिहार पहुंचेगी। वापसी में 04539 कटिहार-आंबला कैंट होली विशेष 23 मार्च को सुबह 4 बजे कटिहार से चलने के बाद रात 1:30 बजे बरेली आएगी और 24 मार्च को सुबह 9 बजे अंबाला कैंट पहुंचेगी। 04534 सरहिंद-जयनगर होली विशेष ट्रेन 22 मार्च को दोपहर 1 बजे सरहिंद से चलने के बाद राजपुरा, अंबाला कैंट, यमुनानगर जगाधरी, सहारपुर, मुरादाबाद होते हुए रात 9:15 बजे बरेली आएगी। यहां से लखनऊ, अयोध्या, बस्ती, गोरखपुर, छपरा, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी होते हुए 23 मार्च को शाम 7:45 बजे जयनगर पहुंचेगी। वापसी में 04533 जयनगर-सरहिंद होली विशेष 23 मार्च को राम 11:30 बजे जयनगर से चलने के बाद 24 मार्च को रात 9 बजे बरेली आएगी।

अखिलेश और पल्लवी के बीच अनबन, क्या कांग्रेस देगी पल्लवी का साथ

आर्यावर्त क्रांति

कानपुर। पल्लवी पटेल ने अब गेंद कांग्रेस के पाले में डाल दी है। पल्लवी की पार्टी अपना दल कमेरावादी ने तीन सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। उनकी पार्टी जिस मिर्ज़ापुर सीट से चुनाव लड़ना चाहती है, अखिलेश यादव ने वहां उम्मीदवार उतार दिया है। अखिलेश ने तो अपने दल का कमेरावादी से गठबंधन न होने का भी एलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि ये गठबंधन 2022 के यूपी चुनाव के लिए था। अब 2024 के लोकसभा चुनाव से क्या मतलब !वहीं पल्लवी पटेल ने कहा है कि इंडिया गठबंधन के तहत उनकी पार्टी चुनाव लड़ेगी।

यूपी में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन है। दोनों पार्टियों के बीच सीटों का तालमेल भी हो गया है। कांग्रेस 17 सीटों पर और बाकी 53 सीटों पर समाजवादी पार्टी ने चुनाव लड़ने का फ़ैसला किया है। समाजवादी पार्टी ने भदोही सीट ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के लिए छोड़ दी है। वहीं पल्लवी पटेल ने अपना फैसला कांग्रेस पर छोड़ दिया है। अब सवाल है कि कांग्रेस क्या करेगी, हालांकि वो तो पहले से ही अखिलेश यादव के साथ है। जबकि अखिलेश ने पल्लवी का साथ छोड़ दिया है।

कांग्रेस और पल्लवी का संबंध

हाल के दिनों में अखिलेश यादव के बदले कांग्रेस के साथ पल्लवी पटेल नजर आती रही है। राहुल गांधी की न्याय यात्रा के समापन पर इंडिया गठबंधन की रैली में भी वो मुंबई गई थीं। जब राहुल की यात्रा यूपी आई थी तब वो प्रयागराज में शामिल हुई थीं। सुप्रिया श्रीनेत्र के साथ पल्लवी पटेल ने एक प्रेस कांफ्रेंस भी की थी। बैंगलुरु से लेकर मुंबई तक इंडिया गठबंधन की हर बैठक में वो अखिलेश यादव के साथ शामिल होती रही हैं। ऐसे में पल्लवी ने अखिलेश को किनारे करने के बाद अपनी राजनैतिक गाड़ी कांग्रेस की ओर मोड़ दी है।

कांग्रेस ने क्या कहा

तकनीकी रूप से पल्लवी पटेल समाजवादी पार्टी की विधायक हैं। उनकी पार्टी अपना दल कमेरावादी ने यूपी चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी से गठबंधन किया था। गठबंधन में उनकी पार्टी सात विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ी थी। पल्लवी की मां कृष्णा पटेल प्रतापगढ़ सदर से चुनाव लड़ी थी। लेकिन सबको हार का सामना करना पड़ा। वहीं राज्य सभा के पिछले चुनाव में पल्लवी पटेल और अखिलेश यादव में अन बन हो गई थी। दोनों के बीच संबंध इस हद तक खराब हो गए कि अब दोनों नेता अलग हो गए हैं। पल्लवी की पार्टी ने इस बार लोकसभा की तीन सीटों मिर्ज़ापुर, कौशांबी और फूलपुर से चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। ये तीनों सीटें इंडिया गठबंधन में समाजवादी पार्टी के पास हैं। पल्लवी ने कहा कि जैसा नीतीश कुमार के साथ हुआ वैसा ही हमारे साथ हो रहा है। उन्होंने आगे का फैसला कांग्रेस पर छोड़ दिया है। कांग्रेस के यूपी अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हमारा गठबंधन तो समाजवादी पार्टी के साथ हैं और पल्लवी भी उनके साथ थी। इसीलिए इस ताज़ा मामले से हमारा कोई लेना देना नहीं है।

अगर चाहते हैं रिश्ते में ना आए खटास तो सगाई के बाद रखें इन बातों का ध्यान

अरेंज मैरिज का सीन अलग होता है। अरेंज मैरिज में बातचीत का सिलसिला शुरू होने के बाद कपल्स अच्छे से एक-दूसरे को जानने-पहचानने लगते हैं।

हर किसी के लिए शादी उसकी जिंदगी का सबसे अहम पल होता है। जिसका इंतजार हर किसी को बड़ी बेसब्री के साथ होता है। रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए शादी से पहले सगाई कराई जाती है। जिसके बाद से कपल आपस में बातचीत शुरू कर देते हैं। अगर लव मैरिज है तो इसमें लड़का और लड़की दोनों को एक-दूसरे से जुड़ी तमाम चीजों का पता होता है। पर, अरेंज मैरिज का सीन अलग होता है। अरेंज मैरिज में बातचीत का सिलसिला शुरू होने के बाद कपल्स अच्छे से एक-दूसरे को जानने-पहचानने लगते हैं। इसका सीधा असर आगे बनने वाले रिश्ते पर पड़ता है।

ऐसे में चाहे लड़का हो या लड़की, उसे अपने पार्टनर से बात करते वक्त कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। दरअसल, कई बार आपकी कही हुई बात या किया हुआ कोई एक्शन आपके रिश्ते को बिगाड़ सकता है। इसी के चलते आज हम आपको कुछ ऐसी बातें बताएंगे, जिनका आपको सगाई से शादी के बीच के समय में खास ध्यान रखना है।

ना करें बहुत ज्यादा बातें

अगर आपकी सगाई और शादी के बीच काफी समय है तो भी अपने पार्टनर से ज्यादा बातें ना करें। अगर आप पूरे दिन उनसे बाते करते रहेंगे तो इसका असर आपके रिश्ते पर पड़ सकता है या हो सकता है आपके पार्टनर को लगने लगे कि आप तो हर वक्त फ्री ही रहते हैं।

करें एक-दूसरे का सम्मान

अपने पार्टनर से बात करते वक्त उसके सम्मान का ख्याल रखें। बिल्कुल भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल ना करें। शादी के रिश्ते में एक-दूसरे का सम्मान काफी अहम होता है।

ना दिखाएं रौब

गलती से भी अपने पार्टनर पर रौब ना दिखाएं। अगर आपको आपके पार्टनर की कोई बात अच्छी नहीं लगी है तो भी उसे प्यार से समझाएं। रौब दिखाने से आप खुद अपनी इमेज खराब कर लेंगे।

ना करें परिवार की बुराई

हर कोई ये चाहता है कि उनका पार्टनर उनके परिवार का सम्मान करे। ऐसे में अपने पार्टनर के साथ-साथ उनके परिवार का भी सम्मान करें। कभी अपने पार्टनर से उनके परिवार की बुराई ना करें। परिवार को लेकर कोई ऐसी बात न कहें, जो सामने वाले को सुनने में बुरी लगे। ऐसी बातें सीधा दिल दुखाती हैं, जिसका प्रभाव आपके रिश्ते पर पड़ सकता है।

30 के बाद ऐसे करें अपनी त्वचा की देखभाल, जवां दिखने के लिए चेहरे से रखें दूर ये चीजें

उम्र बढ़ने के साथ ही हमारी त्वचा में भी काफी बदलाव आने लगते हैं। यही कारण है कि हमारी उम्र का अंदाजा चेहरे से लगने लगता है। वहीं इसको छिपाने के लिए कई लोग एंटी एजिंग क्रीम और ट्रीटमेंट आदि का भी इस्तेमाल करते हैं। वहीं यह बदलाव आजकल के समय में काफी ज्यादा हो रहा है। क्योंकि अब लोगों की लाइफस्टाइल पहले से काफी ज्यादा बिजी हो गई है। ऐसे में किसी के पास सेल्फ केयर का समय नहीं बचा है। जिसके कारण स्किन संबंधी समस्याओं का होना लाजमी है।

अगर आप बिना पैसे खर्च किए अपनी उम्र से जवां और ग्लोइंग स्किन पाना चाहती हैं। साथ ही पिगमेंटेशन, अंडर आई डार्क सर्कल और फाइन लाइन जैसी समस्याओं से दूर रहना चाहती हैं। तो आपको कुछ चीजों से दूरी बनाकर चलना पड़ेगा। अक्सर लोग अपनी उम्र को छिपाने के लिए स्किन ट्रीटमेंट का सहारा लेते हैं। जिसका उनकी स्किन पर उल्टा असर दिखने लगता है। ऐसे में हम आपको इस आर्टिकल के जरिए बताने जा रहे हैं कि आपको 30 की उम्र के बाद किन चीजों से दूरी बनाकर चलनी चाहिए।

ब्लीच से रहें दूर

वैसे भी स्किन के जुड़ी कई परेशानियां ब्लीच से सामने आने लगती हैं। ऐसे में अगर आप 30 की उम्र के बाद भी ब्लीच आदि कराती हैं तो आपके स्किन की इलास्टिसिटी कमजोर हो जाएगी। जिसके कारण फेस पर झुर्रियां बढ़ने लगती हैं। इसलिए 30 की उम्र के बाद ब्लीच से दूरी बना लेनी चाहिए।

ना करें ज्यादा वाइप्स

अधिकतर लोग अपने फेस से मेकअप को रिमूव करने के लिए वाइप्स का उपयोग करते हैं। लेकिन वाइप्स के अधिक इस्तेमाल से हमारे फेस की स्किन ढीली होने लगती है। आप अपने चेहरे से मेकअप हटाने के लिए नारियल तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं।

रूटीन में लाएं CTM

CTM का पूरा नाम क्लीजिंग, टोनिंग और मॉइश्चराइजिंग है। उम्र बढ़ने के साथ ही अगर आप जवां दिखना चाहती हैं तो इसका ध्यान करना बेहद जरूरी है। वहीं अगर आप इसको स्किप करने की गलती करती हैं तो आपकी स्किन डल हो सकती है। इसलिए CTM को अपनी रूटीन में लाने की कोशिश करें।

सनस्क्रीन का एसपीएफ

गर्मियों के मौसम में लोग सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप भी इसका इस्तेमाल करती हैं तो उसके एसपीएफ का खास ध्यान रखना जरूरी है। बता दें कि बढ़ती उम्र के साथ ही एसपीएफ का नंबर भी बदलता रहता है। ऐसे में अगर सनस्क्रीन आपकी उम्र के हिसाब से नहीं मिलता है तो इससे दूरी बनाकर रखनी चाहिए।

ब्यूटी प्रोडक्ट से रहें दूर

बिना मतलब वाले ब्यूटी प्रोडक्ट्स से दूरी बनाकर चलनी चाहिए। हालांकि आप क्लीनअप और फेशियल करवाती रहें। इससे आपकी स्किन साफ और ग्लोइंग बनी रहेगा। कभी-कभी स्किन ट्रीटमेंट भी ले सकती हैं।

डॉक्टर्स ने चेताया : तेज गर्मी डायबिटीज रोगियों के लिए हो सकती है समस्याकारक, जानिए इसके दुष्प्रभाव?

तेज गर्मी के कारण हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं के बारे में हम सभी जानते हैं, पर क्या आप जानते हैं कि गर्मी का यह मौसम कई बीमारियों को काफी जटिल भी बना सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, यह मौसम हमारी सेहत के लिए कई प्रकार से समस्याकारक हो सकती है। विशेषतौर पर जिन लोगों को डायबिटीज या ब्लड प्रेशर की समस्या है उन्हें विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है। गर्मी का मौसम आपके ब्लड शुगर लेवल को बढ़ाने का कारण हो सकती है, यही कारण है कि इस मौसम में मधुमेह प्रबंधन बहुत जरूरी है।

आखिर ज्यादा गर्मी का ब्लड शुगर पर क्या असर होता है? शरीर में इंसुलिन पर इसका किस प्रकार से दुष्प्रभाव हो सकता है और गर्मी के दिनों में डायबिटीज रोगियों को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, आइए समझते हैं।

डिहाइड्रेशन और डायबिटीज की दिक्कतें

शोध बताते हैं कि वातावरण में बदलाव का हमारी सेहत पर सीधा असर होता है। ऐसे में जिन लोगों को डायबिटीज है उनमें गर्मी का मौसम, ब्लड शुगर के स्तर में उतार-चढ़ाव का कारण बन सकती है। उदाहरण के लिए, मधुमेह वाले लोगों के अन्य लोगों की तुलना में जल्दी निर्जलित होने की आशंका अधिक होती है, और यह स्थिति गर्मी के दिनों में सबसे खतरनाक मानी जाती है।

इसके अलावा अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि डिहाइड्रेशन, आपके रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ा सकती है। फिर, आपको बार-बार पेशाब जाने की आवश्यकता हो सकती है, जिससे जटिलताएं और भी बढ़ सकती हैं।

डायबिटीज और हीट स्ट्रोक का खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पाया कि डायबिटीज की दिक्कत चूंकि रक्त वाहिकाओं और तंत्रिकाओं को नुकसान पहुंचा सकती है इसलिए ऐसे लोगों में हीट स्ट्रोक होने और इसके गंभीर रूप लेने का भी जोखिम भी अधिक रहता है। बढ़ा हुआ और अनियंत्रित शुगर लेवल पसीने की ग्रंथियों और नसों को भी क्षति पहुंचा सकती है, जिससे पसीने का सामान्य उत्पादन प्रभावित हो सकता है।

इस कारण से शरीर को तापमान संतुलित करने में दिक्कत होने लगती है। यही कारण है कि डायबिटीज वालों में हीट स्ट्रोक का जोखिम अधिक होता है।

इंसुलिन के उपयोग पर असर

उच्च तापमान का डायबिटीज रोगियों में एक और दुष्प्रभाव यह भी है कि यह आपके शरीर में इंसुलिन के उपयोग को भी प्रभावित कर सकती है। यदि आप डायबिटीज की जटिलताओं के कारण पहले से ही इंसुलिन के इंजेक्शन ले रहे हैं तो अधिक गर्मी के कारण इसका प्रभाव कम होने का खतरा रहता है। यही कारण है सभी लोगों को डायबिटीज के प्रबंधन को लेकर इस मौसम में विशेष सावधानी बरतते रहना चाहिए।

डायबिटीज रोगी करें सेहत का विशेष देखभाल

गर्मी के दिनों में डायबिटीज की जटिलताओं से बचाव करने के लिए जरूरी है कि आप कुछ सावधानियों का विशेष ध्यान रखें।

खूब सारा पानी पिएं- निर्जलीकरण से बचना महत्वपूर्ण है, इसलिए सुनिश्चित करें कि आप तरल पदार्थों का अधिक सेवन कर रहे हैं।

शरीर को ठंडा रखने के लिए हल्के, ढीले-ढाले कपड़े पहनें।

मादक पेय पदार्थों से बचें, जैसे शराब मूत्रवर्धक होता है, इससे डिहाइड्रेशन बढ़ने का जोखिम हो सकता है।

अपने रक्त शर्करा के स्तर की नियमित जांच करें, जिससे इसे कंट्रोल में करने के उपाय किए जा सकें।

यदि आप बाहर जा रहे हैं, तो धूप से बचें। सीधे धूप में आने से हीट स्ट्रोक का जोखिम हो सकता है।

गर्मियों में दिखना है कूल तो लें सारा अली खान से टिप्स, देखकर लोग हटा नहीं पाएंगे नजरें

गर्मियों के मौसम में हर कोई अपने स्टाइल के साथ-साथ कंफर्ट का भी खासा ध्यान रखता है। अगर इस मौसम में आप सही कपड़ों का चयन नहीं करेंगे तो गर्मी में परेशान होना पड़ेगा। जिसके चलते चिड़चिड़ापन बढ़ने लगता है। गर्मियों के मौसम में कूल दिखना जरूरी होता है, लेकिन ऐसे में कपड़ों का चयन करना उतना ही मुश्किल होता है। इसी के चलते आज हम आपको एक ऐसी एक्ट्रेस के लुक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जो काफी कूल आउटफिट कैरी करती हैं।

हम बात कर रहे हैं सारा अली खान की जोकि आज-कल अपनी फिल्म जरा हटके, जरा बचके, के प्रमोशन में व्यस्त हैं। एक्ट्रेस जितनी खूबसूरत एथनिक और वेस्टर्न वियर में लगती हैं। उतनी ही कूल अपने समर लुक में लगती हैं। आज के लेख में हम आपको एक्ट्रेस के कुछ ऐसे ही कूल लुक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनसे आप भी टिप्स ले सकती हैं।

शॉर्ट ड्रेस

अगर आपको शॉर्ट ड्रेस पहनना पसंद है तो आप गर्मियों के मौसम में ऐसी शॉर्ट ड्रेस पहन सकती हैं। ये देखने में बेहद कूल लगती है। इसके साथ सनग्लासेस लगाना गलती से भी ना भूलें। ये आपको परफेक्ट लुक देगा।

डंगरी

गर्मियों के मौसम में डंगरी पहनकर आप क्यूट दिख सकती हैं। इसके साथ चाहें तो टी-शर्ट कैरी कर लें। क्रॉप टॉप भी इसके साथ काफी अच्छी लगती है। खुले बाल आपके लुक को कंप्लीट करेंगे।

ड्रेस

इस तरह की शिफॉन ड्रेस गर्मियों के लिए काफी प्यारी लगती है। इसे पहनकर आप अपना बोल्ड अंदाज दिखा सकती हैं। इस लुक के साथ इसके मैचिंग का चश्मा जरूर लगाएं।

जींस-टीशर्ट

डेनिम जींस के साथ टीशर्ट पहन कर भी आप कूल दिख सकती हैं। ये हर जगह के लिए परफेक्ट रहती है। ऐसे में आप इसे पहन कर कंफर्टेबल भी रहेंगी।

शॉर्ट्स और क्रॉप टॉप

इस लुक में लड़कियां काफी हॉट दिखती हैं। अगर आप चाहें तो गर्मियों के इन मौसम में शॉर्ट्स और क्रॉप टॉप कैरी कर सकती हैं। इसे पहनकर आप भी खूबसूरत दिखेंगी।

'अगले पांच सालों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत'

नई दिल्ली। भारत अगले पांच सालों में अर्थव्यवस्था के मामले में जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ देगा। ये बातें जी 20 के शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने बताई हैं। दरअसल भातीय उद्योग संघ द्वारा एक सम्मेलन का आयोजन कराया गया था। इस सम्मेलन में अमिताभ कांत ने कहा कि अगले पांच सालों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ तीसरा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछली तीन तिमाहियों में भारत बड़ी ताकत के रूप में उभरा है और 8.3 प्रतिशत से अधिक की दर से आगे बढ़ रहा है।

'2047 तक 35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा भारत'

अमिताभ कांत ने कहा है कि अगले दशक में भारत दुनिया के आर्थिक विस्तार में लगभग 20 प्रतिशत का योगदान देगा। उन्होंने उम्मीद जताई है कि भारत 2047 तक 35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा। इसमें दक्षिण भारत का विकास सबसे अहम योगदान निभाएगा। अमिताभ कांत ने इस बात पर जोर दिया कि स्मार्ट शहरीकरण, और कृषि के क्षेत्र में भारत को विनिर्माण के दम पर आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि एमएसएमई और एसएमई को आगे बढ़ाने के लिए भारत में बड़ी संख्या में बड़ी कंपनियों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके अलावा भारत को अपने विकास के खर्च को 0.7 प्रतिशत से बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 2.5-3 प्रतिशत करना चाहिए।

'इन कारणों से मिला अर्थव्यवस्था को फायदा'

अमिताभ कांत ने कहा कि भारत में विकास की गति को तेज करने के लिए हम वस्तु और सेवा कर लेकर आए, जिससे हमें अच्छा फायदा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इंडिया भी भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। इस अभियान को शुरु करते समय भारत के पास केवल 150 स्टार्टअप थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 1,25,000 हो चुकी है।

एनपीएस अकाउंट को एक्टिव रखने के लिए बचे हैं केवल कुछ दिन, जल्द निपटा लें ये काम

रिटायरमेंट के बाद भी इनकम को जारी रखने के लिए नेशनल पेंशन सिस्टम काफी अच्छा ऑप्शन है। इसमें निवेशक को एक समय तक निवेश करना होता है और रिटायरमेंट के बाद उन्हें मासिक पेंशन का लाभ मिलता है। एनपीएस अकाउंट होल्डर को 31 मार्च 2024 से पहले अपने अकाउंट में मिनिमम बैलेंस को डिपॉजिट करना जरूरी है। ऐसा न करने पर उनका अकाउंट फ्रीज हो सकता है।

एनपीएस अकाउंट होल्डर को 31 मार्च 2024 से पहले अपने अकाउंट में मिनिमम बैलेंस को डिपॉजिट करना होगा। अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो उनका अकाउंट फ्रीज हो जाएगा। इसके अलावा उन्हें अकाउंट में मिल रही सभी सुविधाएं भी बंद हो जाएगी।

रिटायरमेंट के बाद भी इनकम को जारी रखने के लिए नेशनल पेंशन सिस्टम काफी अच्छा ऑप्शन है। इसमें निवेशक को एक निश्चित समय तक निवेश करना होता है। निवेश की राशि पर सरकार द्वारा ब्याज भी दिया जाता है। एनपीएस निवेशक की उम्र जब 60 वर्ष की हो जाती है तो उन्हें एनपीएस फंड से 60 फीसदी की राशि मिल जाती है। बाकी बची 40 फीसदी की राशि उन्हें पेंशन के तौर पर हर महीने मिलती है। बता दें कि अगर एनपीएस निवेशक एक वित्त वर्ष के भीतर अपने एनपीएस अकाउंट में मिनिमम बैलेंस डिपॉजिट नहीं करता है तो इनका अकाउंट इनएक्टिव हो जाता है। निवेशक को एक कारोबारी साल में कम से कम 500 रुपये का निवेश करना होता है।

एनपीएस अकाउंट को दोबारा एक्टिव करने के लिए यूजर को जुर्माने का भुगतान करना होगा। आज हम आपको बताएंगे कि आप एनपीएस के इनएक्टिव अकाउंट को कैसे एक्टिवेट करें।

कितनी देनी होती है पेनल्टी

इनएक्टिव अकाउंट को दोबारा एक्टिवेट करने के लिए यूजर को 50 रुपये प्रति वर्ष के हिसाब से पेनल्टी देनी होती है। उदाहरण के तौर पर अगर 3 साल से एनपीएस अकाउंट बंद है और उसे दोबारा एक्टिव करने के लिए यूजर को 50 रुपये प्रति वर्ष के हिसाब से 150 रुपये का जुर्माना और 3 साल का न्यूनतम राशि 1,500 रुपये देना होगा। यानी कि यूजर को कुल 1,650 रुपये का भुगतान करना होगा।

अकाउंट को एक्टिव कैसे करें

स्टेप 1: यूजर को सबसे पहले एनपीएस वेबसाइट (https://www.indiapost.gov.in/Financial/pages/content/nps.aspx) पर जाकर पीआरएएन नंबर और पासवर्ड की मदद से लॉग-इन करना होगा।

स्टेप 2: इसके बाद My account पर जाकर Unfreeze account के ऑप्शन को सेलेक्ट करना है।

स्टेप 3: अब स्क्रीन पर शो हो रहे जरूरी जानकारी को दर्ज करना होगा और लेट फीस की पेमेंट करनी होगी।

स्टेप 4: आप जैसे ही लेट फीस और मिनिमम बैलेंस का भुगतान करने के बाद अकाउंट एक्टिव हो जाएगा।

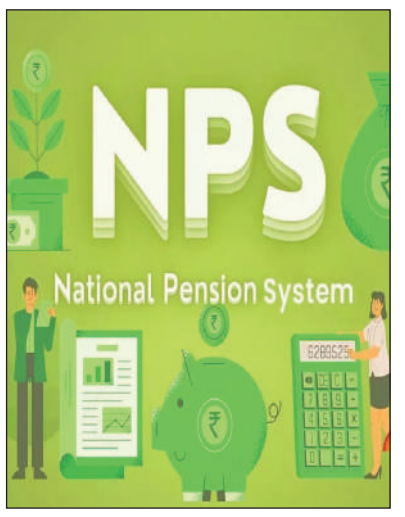

किआ इंडिया के वाहन एक अप्रैल से तीन प्रतिशत तक महंगे होंगे

नयी दिल्ली। वाहन कंपनी किआ इंडिया एक अप्रैल, 2024 से अपने वाहनों की कीमतों में तीन प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करेगी। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। वाहन विनिर्माता कंपनी ने बयान में कहा कि यह निर्णय जिंस कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला से संबंधित लागत में वृद्धि को देखते हुए लिया गया है। किआ सेल्टोस, सोनेट और कैरेन्स मॉडल बेचती है। कंपनी ने इस साल पहली बार अपने वाहनों के दाम बढ़ाने का फैसला किया है। इस संबंध में किआ इंडिया के भारत में प्रमुख (बिक्री एवं विपणन) हरदीप सिंह बराड़ ने कहा कि कंपनी लगातार ग्राहकों को प्रीमियम और तकनीकी रूप से उन्नत उत्पाद देने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, "हालांकि, जिंस कीमतों में लगातार वृद्धि, प्रतिकूल विनिमय दर और बढ़ती उत्पादन लागत के कारण हम आंशिक मूल्यवृद्धि लागू करने के लिए मजबूर हैं।" किआ अबतक भारत और विदेशी बाजारों में 11.6 लाख गाड़ियों की बिक्री कर चुकी है।

शिकागो से शुरू होगी राम मंदिर रथ यात्रा, 60 दिनों में 48 राज्यों के 851 मंदिरों का किया जाएगा दौरा

न्यूयॉर्क। अमेरिका के शिकागो से सोमवार को राम मंदिर रथयात्रा शुरू होगी। यह यात्रा अगले 60 दिनों में आठ हजार से भी अधिक मील की दूरी तय करते हुए 48 राज्यों के 851 मंदिरों तक जाएगी। रथयात्रा का आयोजन करने वाले विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका के महासचिव अमिताभ मित्तल ने बताया कि टोयोटा सिएना वैन के ऊपर बने रथ में भगवान राम, देवी सीता, लक्ष्मण और हनुमान की मूर्तियां होंगी। उनके साथ अयोध्या के राम मंदिर से विशेष प्रसाद और प्राण प्रतिष्ठा पूजित अक्षत का कलश ले जाया जाएगा।

शिकागो से शुरू होगी रथ यात्रा

रथयात्रा 25 मार्च को अमेरिका के शिकागो से शुरू होगी और करीबन आठ हजार मील की दूरी तय करेगी। यात्रा के दौरान अमेरिका के 851 मंदिरों और कनाडा के 150 मंदिरों का दौरा किया जाएगा। कनाडा में होने वाली रथ यात्रा का आयोजन विश्व हिंदू परिषद ऑफ कनाडा ने किया है।

हिंदू मंदिर सशक्तिकरण परिषद (एचएमईसी) की तेजल शाह ने कहा, 'इस रथ यात्रा का उद्देश्य लोगों को हिंदू धर्म के बारे में जागरूक करना, शिक्षित करना और सशक्त बनाना है। यह यात्रा सभी हिंदुओं को एकजुट होने का मौका दे रही है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमारे लिए और हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए जागरुकता बढ़ाने और दुनिया भर में हिंदू धर्म का प्रसार करने के अभियान में एकजुट होना बहुत जरूरी है।'

हनुमान जयंती के दिन होगा समापन

विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका के महासचिव अमिताभ मित्तल ने बताया कि कई लोग वीएचपीए के जरिए इस यात्रा की योजना बनाने और आयोजन में मदद करने के लिए आगे आए हैं। अमेरिका में यह पहली बार ऐसा हो रहा है कि हिंदू समुदाय द्वारा इस तरह की यात्रा का आयोजन किया गया है। यात्रा का समापन 23 अप्रैल को हनुमान जयंती के दिन होने वाला है। रथ यात्रा के दौरान न केवल बड़े मंदिरों को, बल्कि छोटे-छोटे मंदिरों का भी दौरा किया जाएगा। तेजल शाह ने बताया कि अमेरिका में लगभग सभी मंदिरों का दौरा किया जाएगा।

डीपफेक वीडियो का शिकार हुईं इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी, एक लाख यूरो का मुआवजा मांगा

रोम। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी डीपफेक का शिकार हो गई हैं। उन्होंने डीपफेक अश्लील वीडियो बनाने और उसे ऑनलाइन डालने के आरोपी से एक लाख यूरो का हर्जाना मांगा है। भारतीय मुद्रा में यह करीब 90 लाख रुपए के बराबर है। दावा है कि दो लोगों ने मेलोनी का चेहरा वयस्क फिल्म स्टार के चेहरे पर लगाया और उसे अमेरिकी पोर्न वेबसाइट पर अपलोड कर दिया।

आरोपियों में पिता-पुत्र शामिल है। बेटे की उम्र 40 साल और उसके पिता की उम्र 73 साल है। दोनों ने मिलकर मेलोनी का अश्लील वीडियो बनाया। दोनों आरोपियों पर मेलोनी ने मानहानि का मुकदमा दायर किया है। दोनों गिरफ्तार कर लिए गए हैं। पुलिस ने कहा, उसने मोबाइल डिवाइस को ट्रैक करके आरोपी को ढूंढा। इसका इस्तेमाल उन्होंने वीडियो को ऑनलाइन पोस्ट करने के लिए किया था। डीपफेक वीडियो 2022 में उनके देश के पीएम बनने से पहले का है। इस वीडियो को तब से लाखों बार देखा जा चुका है। मेलोनी ससारी कोर्ट में 2 जुलाई को गवाही देंगी।

मुआवजे की राशि दान करेंगी मेलोनी

पीएम मेलोनी की कानूनी टीम ने कहा, हर्जाने की मांग करना एक प्रतीकात्मक कार्रवाई है। मेलोनी मुआवजे की पूरी राशि हिंसा की शिकार महिलाओं की सहायता के लिए दान करेंगी। मेलोनी की वकील मारिया गिउलिया मारोंगिउ ने कहा कि मुआवजे की मांग उन महिलाओं के लिए एक संदेश है, जो इस तरह की हिंसा की शिकार हैं। मेलोनी का कहना है कि हिंसा की शिकार महिलाएं आवाज उठाने से न डरें।

मालदीव में भारत समर्थित परियोजनाओं की उल्लेखनीय प्रगति, अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट भी संवारा गया

माले (मालदीव)। मालदीव और भारत के रिश्तों में तल्खी के बीच विदेश मंत्रालय ने अहम बयान दिया है। विदेश मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजा के मेनन ने बताया कि पिछले कई दशकों में, भारत ने मालदीव को कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को विकसित करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद विकास की साझेदारी के माध्यम से दोस्ती मजबूत करना है।

विकास साझेदारी प्रशासन के तहत विकास कार्य

दरअसल, विदेश मंत्रालय की एक टीम ने गुरुवार को भारतीय रियायती ऋण सुविधा के तहत मालदीव में किए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। टीम का नेतृत्व मेनन कर रही हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय रियायती ऋण सुविधा के तहत हनीमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पुनर्विकास हो रहा है। मेनन विदेश मंत्रालय के तहत आने वाले विकास साझेदारी प्रशासन (DPA) में संयुक्त सचिव हैं। विकास परियोजनाएं डीपीए ही संचालित करता है।

अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पुनर्विकास परियोजना की समीक्षा

चौथी भारत-मालदीव नियंत्रण रेखा (एलओसी) समीक्षा बैठक के हिस्से के रूप में भारतीय रियायती क्रेडिट लाइन के तहत बाराह और केला द्वीपों में कई विकास कार्य कराए जा रहे हैं। मालदीव में भारतीय मिशन ने बताया कि संयुक्त सचिव मेनन ने हनीमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पुनर्विकास परियोजना और जल और स्वच्छता परियोजनाओं के तहत उल्लेखनीय प्रगति की सराहना की। डीपीए टीम ने गण इंटरनेशनल एयरपोर्ट पुनर्विकास परियोजना सहित अन्य परियोजना स्थलों का दौरा किया।

दुनिया में पहली बार सूअर की किडनी से हुआ ट्रांसप्लांट, चिकित्सकों को मरीज के जल्द ठीक होने की उम्मीद

वाशिंगटन। बोस्टन में डॉक्टरों ने सूअर की आनुवंशिक रूप से संशोधित किडनी 62 वर्षीय एक मरीज में प्रत्यारोपित की। डॉक्टरों ने कहा कि वेमाउथ (मैसाचुसेट्स) के रहने वाले मरीज रिचर्ड रिक स्लेमैन ठीक हो रहे हैं और उन्हें जल्द ही छुट्टी मिलने की उम्मीद है। मैसाचुसेट्स जनरल अस्पताल ने एक बयान में कहा कि यह पहली बार है कि सूअर की किडनी किसी जीवित व्यक्ति में प्रत्यारोपित की गई है। इसके अलावा दो पुरुषों को पिग हार्ट ट्रांसप्लांट (सूअरों से हृदय प्रत्यारोपण) किया गया था, हालांकि दोनों की कुछ महीनों के भीतर मृत्यु हो गई थी।

नवलनी की मां को अदालत से झटका, जेल में बेटे की अनुचित देखभाल का आरोप वाला मुकदमा खारिज

मॉस्को। दिवंगत रूसी विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की जेल में संदिग्ध तरीके से हुई मौत को लेकर हंगामा जारी है। उनका परिवार लगातार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को जिम्मेदार ठहरा रहा है। इस बीच, नवलनी की मां ल्यूडमिला नवलनया को झटका लगा है। मॉस्को की एक अदालत ने नवलनया की उस मुकदमे को खारिज कर दिया है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि नेता को आर्कटिक दंड कॉलोनी में सही से चिकित्सा देखभाल नहीं मिली, जिसके कारण उनकी मौत हो गई।

केवल नवलनी ही कर सकते हैं मुकदमा- अदालत

नवलनी के 'फाउंडेशन फॉर फाइटिंग करप्शन' के पूर्व निदेशक इवान झदानोव ने गुरुवार को कहा कि लेबितनांगी की अदालत ने यह कहते हुए मुकदमा खारिज कर दिया कि केवल नवलनी ही इस बारे में शिकायत कर सकते थे। झदानोव ने कहा कि एलेक्सी नवलनी ने जेल में चिकित्सा देखभाल के खिलाफ कई बार मामले दायर किए थे। अब जब वह मारे गए, तो उनके परिवार की भी नहीं सुनी जा रही है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर हत्या करने का आरोप

रिपोर्ट के अनुसार, नवलनी के परिवार और समर्थकों ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर उनकी हत्या करने का आरोप लगाया है, हालांकि क्रेमलिन ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। नवलनी की विधवा यूलिया नवलनया ने गुरुवार को कहा कि अदालत ने मुकदमा इसलिए खारिज कर दिया क्योंकि सुनवाई होती तो मौत की परिस्थितियों के बारे में वीडियो और अन्य जानकारी का खुलासा हो जाता।

ऐसे हुई मौत

एलेक्सी नवलनी की 47 वर्ष की आयु में मॉस्को से लगभग 1900 किमी उत्तर-पूर्व में आर्कटिक सर्कल के उत्तर में एक शहर खारप में आईके -3 अधिकतम सुरक्षा जेल कॉलोनी में मृत्यु हो गई थी। उन्हें उग्रवाद के आरोपों पर 19 साल की सजा मिली थी। उनके मृत्यु प्रमाण पत्र में कहा गया है कि मौत प्राकृतिक कारणों से हुई थी। यमालो-नेनेट्स ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट प्रशासन ने कहा था कि जेल में टहलने के बाद नवलनी का स्वास्थ्य ठीक नहीं था। टहलने के दौरान बेहोश हो गए थे। इसके बाद मेडिकल स्टाफ को बुलाया गया, लेकिन वह होश में नहीं आए।

उनकी मृत्यु के तीन दिन बाद भी उनके परिवार को उनका शव देखने की इजाजत नहीं दी गई है। उनके शव को रासायनिक जांच के लिए भेजा गया है और इस वजह से उनके परिजनों को शव के लिए 14 दिन का इंतजार करना पड़ेगा।

पीएम मोदी की तुलना औरंगजेब से करने पर भड़के सीएम शिंदे, बोले- यह राष्ट्र का अपमान

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना औरंगजेब से करने पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विपक्ष की आलोचना की है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम शिंदे ने कहा कि उनकी (संजय राउत) ये टिप्पणी राष्ट्र का अपमान है।

सीएम शिंदे ने की आलोचना

एकनाथ शिंदे ने कहा, 'यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि पीएम मोदी, जिन्होंने बालासाहेब ठाकरे की राम मंदिर के सपने को पूरा किया, उनकी (पीएम मोदी) तुलना औरंगजेब से की जा रही है। यह राष्ट्र का अपमान है। जनता उन्हें चुनाव में इसका जवाब देगी।' उन्होंने आगे कहा,'पीएम मोदी ने अनुच्छेद 370 हटाकर बाला साहेब ठाकरे का सपना पूरा किया है। इसके बावजूद वे पीएम मोदी की तुलना औरंगजेब से कर रहे हैं।'

संजय राउत ने की औरंगजेब सेपीएम मोदी की तुलना

संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर हमला करने के लिए पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना के गुजरात लिंक का सहारा लिया। उन्होंने कहा, ₹महाराष्ट्र को 400 साल पहले औरंगजेब के रूप में संकट का सामना करना पड़ा था। औरंगजेब ने जो भी कुछ किया, वह अब दिल्ली में बैठे दो नेता कर रहे हैं। औरंगजेब का जन्म गुजरात में हुआ था और मोहम्मद अली जिन्ना का भी।'

संजय राउत ने आगे कहा, 'देश की स्थिति शर्मनाक है। औरंगजेब सभी से बहुत प्यार से बात करता था और इसी तरह से उसने साम्राज्य पर कब्जा कर लिया था। उसने फूट डालो और शासन करो की रणनीति अपनाई थी। गुजरात के दो लोग, जो दिल्ली गए हैं वे भी कुछ ऐसा ही कर रहे हैं। इतिहास अपने आप को दोहरा रहा है।'

शिवसेना नेता के इस बयान पर भाजपा प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने भी पलटवार किया था। उन्होंने कहा कि देश की जनता इसका मुंहतोड़ जवाब देगी। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल प्रधानमंत्री मोदी के प्रति जितनी नफरत दिखाएंगे, उतना ही लोग उन पर प्यार बरसाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए आगामी लोकसभा चुनाव में 400 सीटों का आंकड़ा पार करने वाली है।

'आखिरकार आज उनका घमंड टूट गया', दिल्ली के सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी पर भाजपा का वार

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा लगातार निशाना साध रही है। उसका कहना है कि गिरफ्तारी से पहले केजरीवाल कह रहे थे कि सीएम को समन कैसे जारी किया जा सकता है, लेकिन आखिरकार आज उनका घमंड टूट गया।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने शुक्रवार को कहा, '23 अक्तूबर तक नौ समन जारी किए गए, लेकिन वह एक बार भी उपस्थित नहीं हुए। वह कहते रहे कि समन अवैध है और उपस्थित नहीं होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह मुख्यमंत्री हैं और उन्हें कैसे बुलाया जा सकता है? आज उनका घमंड टूट गया है।'

अगर आपने कानून तोड़ा है...

भाजपा नेता ने कहा कि देश का कानून कहता है कि अगर आपने कानून तोड़ा है और समन जारी हुआ है, तो आपको इसका सम्मान करते

हुए मौजूद होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, 'चिंता की बात यह थी कि अरविंद केजरीवाल ने किसी एक समन का भी जवाब नहीं दिया था।

दिल्ली के मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार में लिप्त

वहीं, भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार में लिप्त होने का खामियाजा भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप कार्यकर्ताओं का कहना है कि अरविंद केजरीवाल इंसान नहीं बल्कि विचारधारा हैं। विचारधारा यह है कि वह भ्रष्ट होंगे और जब अदालत कार्रवाई करेगी, तो वह इसे अत्याचार कहेंगे और अपने आप को बेचारा दिखाएंगे।

एक साल से अधिक समय से जेल में

उन्होंने आगे कहा, 'मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या अदालत लोकतंत्र को खत्म कर रही है? सुप्रीम कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की जमानत खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 338 करोड़ रुपये का घोटाला है। हाईकोर्ट ने संजय सिंह की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। यदि आपके साथी एक साल से अधिक समय से जेल में हैं, तो क्या भाजपा ने ऐसा किया है या अदालतों ने ऐसा किया है? आपके दोस्त कांग्रेस ने देखा है कि आप किस तरह से शराब घोटाले में डूबे हुए हैं।' प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में गुरुवार रात दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया, जिसमें आप के दो वरिष्ठ नेता पहले से ही न्यायिक हिरासत में हैं।

पीएम मोदी की तुलना औरंगजेब से करने पर भड़के सीएम शिंदे, बोले- यह राष्ट्र का अपमान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना औरंगजेब से करने पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विपक्ष की आलोचना की है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम शिंदे ने कहा कि उनकी (संजय राउत) ये टिप्पणी राष्ट्र का अपमान है।

एकनाथ शिंदे ने कहा, 'यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि पीएम मोदी, जिन्होंने बालासाहेब ठाकरे की राम मंदिर के सपने को पूरा किया, उनकी (पीएम मोदी) तुलना औरंगजेब से की जा रही है। यह राष्ट्र का अपमान है। जनता उन्हें चुनाव में इसका जवाब देगी।' उन्होंने आगे कहा, 'पीएम मोदी ने अनुच्छेद 370 हटाकर बाला साहेब ठाकरे का सपना पूरा किया है। इसके बावजूद वे पीएम मोदी की तुलना औरंगजेब से कर रहे हैं।'

संजय राउत ने की औरंगजेब सेपीएम मोदी की तुलना

संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर हमला करने के लिए पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना के गुजरात लिंक का सहारा लिया। उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र को 400 साल पहले औरंगजेब के रूप में संकट का सामना करना पड़ा था। औरंगजेब ने जो भी कुछ किया, वह अब दिल्ली में बैठे दो नेता कर रहे हैं। औरंगजेब का जन्म गुजरात में हुआ था और मोहम्मद अली जिन्ना का भी।'

संजय राउत ने आगे कहा, 'देश की स्थिति शर्मनाक है। औरंगजेब सभी से बहुत प्यार से बात करता था और इसी तरह से उसने साम्राज्य पर कब्जा कर लिया था। उसने फूट डालो और शासन करो की रणनीति अपनाई थी। गुजरात के दो लोग, जो दिल्ली गए हैं वे भी कुछ ऐसा ही कर रहे हैं। इतिहास अपने आप को दोहरा रहा है।' शिवसेना नेता के इस बयान पर भाजपा प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने भी पलटवार किया था। उन्होंने कहा कि देश की जनता इसका मुंहतोड़ जवाब देगी। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल प्रधानमंत्री मोदी के प्रति जितनी नफरत दिखाएंगे, उतना ही लोग उन पर प्यार बरसाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए आगामी लोकसभा चुनाव में 400 सीटों का आंकड़ा पार करने वाली है।

बीआरएस नेता के . कविता को नहीं मिली राहत, सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने से किया इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता और तेलंगाना के पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव की एमएलसी बेटी के. कविता को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली नहीं है। अदालत ने शुक्रवार को कविता को जमानत देने से इनकार कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कविता की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर एक नोटिस भी जारी किया है। अदालत का कहना है कि कविता निचली अदालत में जा सकती हैं या जमानत के लिए कोई और उपाय अपना सकती हैं। अगर जमानत याचिका दायर की जाती है तो उस पर तेजी से फैसला किया जा सकता है।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने प्रोटोकॉल की अनदेखी नहीं करने का आदेश दिया। कहा कि सभी के लिए एक समान नीति का पालन करना होगा और जमानत के लिए सीधे सुप्रीम कोर्ट आने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। पीठ ने कहा कि जहां तक धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के प्रावधानों को चुनौती देने वाली कविता की याचिका का सवाल है, अदालत ईडी को नोटिस जारी कर छह सप्ताह के भीतर जवाब मांग रही है।

पीठ ने कविता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से कहा कि इन प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका लंबित मामलों के साथ आएगी। शुरुआत में सिब्बल ने कहा कि सरकारी गवाह के बयान के आधार पर लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है। इस पर पीठ ने कहा कि वह फिलहाल मामले के गुण-दोष पर विचार नहीं कर रही है।

15 मार्च को किया था गिरफ्तार

के. कविता को ईडी ने 15 मार्च को हैदराबाद स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद ईडी की टीम के कविता को हैदराबाद से दिल्ली लेकर आई, जहां उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने के. कविता को 23 मार्च तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है।

क्या हैं के. कविता पर आरोप

ईडी का दावा है कि के. कविता ने आम आदमी पार्टी के नेताओं के साथ मिलकर कथित तौर पर साजिश रची। जिसके तहत दिल्ली शराब नीति में फायदा पाने के लिए आप नेताओं को करीब 100 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। के. कविता को कथित दक्षिण लॉबी का हिस्सा बताया जा रहा है। दिल्ली शराब नीति मामले में ईडी अब तक देशभर में 245 ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है और मनीष सिसोदिया, संजय सिन्हा और विजय नायर समेत 15 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

सई मांजरेकर के लिए सलमान खान हैं बेहद खास, बोलीं- 'उनके साथ सुरक्षित महसूस करती हूं'

सई मांजरेकर अभिनेता-निर्देशक महेश मांजरेकर की लाडली बेटी हैं। सई ने अपने करियर की शुरुआत सलमान खान की फिल्म 'दबंग 3' से की थी। हाल ही में अभिनेत्री फिल्म 'कुछ खट्टा हो जाए' में नजर आईं। दर्शकों को इस फिल्म में सई की एक्टिंग काफी पसंद आई है। पिछले दिनों एक इंटरव्यू के दौरान सई अपनी आने वाली फिल्मों के अलावा सलमान खान के साथ अपने रिश्ते पर भी खुलकर बातें करती नजर आईं।

सई मांजरेकर अपनी मेहनत के दम पर धीरे-धीरे बॉलीवुड में अपनी जगह बनाने में कामयाब हो रही हैं। हाल ही में गुरु रंधावा के साथ उनकी फिल्म 'कुछ खट्टा हो जाए' रिलीज हुई थी। सई अपने करियर के बारे में बात करते हुए कहती हैं, 'किसी भी नए कलाकार के लिए सलमान खान के साथ काम करना किसी सपने के सच होने जैसा है।'

सई अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, 'मैंने अपने करियर की शुरुआत सलमान खान के साथ की थी। उस फिल्म की शूटिंग के दौरान जिस तरह से उन्होंने मेरा ख्याल रखा, वह मेरे लिए बेहद खास था। मैं उनके साथ एक अलग सा बांड महसूस करती हूं।'

सई मांजरेकर अपनी कोई भी फिल्म साइन करने से पहले सलमान खान से सलाह जरूर लेती हैं। वे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि वे मुझे कभी गलत सलाह नहीं देंगे। उनके साथ मैं सुरक्षित महसूस करती हूं।'

सई मांजरेकर आने वाले दिनों में अजय देवगन के साथ फिल्म 'औरों में कहां दम था' में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा सई मांजरेकर साउथ की फिल्मों में भी दिखाई देंगी।

नोरा फतेही के लिए बॉलीवुड में रहना नहीं है आसान, बोलीं- हर दिन एक नई चुनौती के लिए हूं तैयार

इंडस्ट्री में एक डांसर को कोई सीरियस भूमिका में कास्ट नहीं करना चाहता है।उन्हें लगता है कि ये बस आइटम नंबर कर पाएगी और कुछ नहीं, लेकिन मैं उनके इस सोच को बदलना चाहती हूं।

नोरा फतेही अपने मेहनत के दम पर धीरे-धीरे ही सही बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने में कामयाब रही हैं। फिल्म इंडस्ट्री में उन्होंने अपनी शुरुआत एक डांसर के रूप में की थी। बाद में उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो में काम किया। आज बॉलीवुड में उनकी पहचान एक सक्षम अभिनेत्री के रूप में होती है। हाल ही में अपनी फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' के प्रमोशन के दौरान नोरा अपने करियर के उतार-चढ़ाव के बारे में खुलकर बातें करती नजर आईं।

टाइपकास्ट होने का डर

नोरा फतेही खुद को बेहतर बनाने में यकीन रखती हैं। उनसे जब ये पूछा गया कि क्या आपको अब भी फिल्मों में रोल पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री कहती हैं, 'देखिए मैंने अपने करियर की शुरुआत बतौर डांसर की थी। शुरुआत में कई फिल्मों में मैंने आइटम नंबर भी किए थे। एक वक्त पर मुझे लगने लगा था कि मुझे टाइपकास्ट किया जा रहा है। मुझे खुद को रिपीट करना पसंद नहीं है।'

हर दिन एक नई चुनौती

नोरा अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, 'इंडस्ट्री में एक डांसर को कोई सीरियस भूमिका में कास्ट नहीं करना चाहता है। उन्हें लगता है कि ये बस आइटम नंबर कर पाएगी और कुछ नहीं, लेकिन मैं उनके इस सोच को बदलना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि वे इस चीज को समझे कि मैं हर तरह की भूमिका निभा सकती हूं और मैं हर चैलेंज के लिए तैयार हूं।'

कोई कलाकार परफेक्ट नहीं होता

नोरा फतेही फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' में अहम भूमिका में नजर आई हैं। दर्शक उन्हें एक अभिनेत्री के रूप में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। नोरा अपने अभिनय करियर के बारे में बात करते हुए कहती हैं, 'मैं खुद पर हर दिन काम कर रही हूं। मैं जो कल थी वो आज नहीं हूं। मैं लोगों से मिलती हूं और उन्हें बताती हूं कि मैं हर तरह की भूमिका निभाने के लिए तैयार हूं। यहां इंडस्ट्री में आपको खुद से खुद के लिए लोगों से बात करनी होती है। उन्हें बताना पड़ता है कि आप कितने काबिल हो वर्ना आप यहां टिक नहीं पाएंगे।'

आर्यावर्त क्रांति के लिए स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक प्रभात पांडे साइन ऑफसेट, 40 वासुदेव भवन कैसरबाग लखनऊ से मुद्रित एवं 0274 विक्रांत खंड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित समेत लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की किसी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ उत्तर प्रदेश ही होगा। - संपादक